खबर जो सत्य उगले...

प्रचण्ड समय

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

संपादक - अश्वनी वर्मा
70180-86211
prachandsamay.com

वर्ष-5, अंक-138, पृष्ठ-8, मूल्य- 6 रुपए

आरएनआई नंबर- एचपीएचआईएन/2019/79889

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

सुविचार

"जब सब कुछ आपके खिलाफ जा रहा हो तो याद रखें, हवाई जहाज हमेशा हवा के विरूद्ध उड़ान भरता है उसके साथ नहीं।"

'मेरे बॉडी पार्ट्स... पेज-8

चुनावी जंग में उतरी चार महिलाएं, दो जीती... पेज-6

शिमला, बुधवार, 24 अप्रैल, 2024

प्रचण्ड समय स्कैंडल सीरियल

लेखक
अश्वनी वर्मा

नजरें अभी भी भाजपा की आपरेशन लोटस की कामयाबी पर

प्रचण्ड समय

कांग्रेस बेशाक मानकर चल रही है कि हिमाचल प्रदेश में आपरेशन लोटस चारों खाने चित्त हुआ है। लेकिन इस बात पर अभी भी गुर्राने की जरूरत नहीं है। क्योंकि कांग्रेस को सोच लेना चाहिए कि भाजपा ने कांग्रेस पर कच्चा हाथ नहीं डाला है। भाजपा की चाहत महज 9 सीटों के उप चुनावों को लेकर नहीं है। उसका थिंक टैंक विधानसभा के मध्यावधि चुनावो की तरफ सोच रहा है। भाजपा की चूक महज यह है कि कांग्रेस विक्रमादित्य सिंह को लोकसभा चुनावों में लड़वाने में कामयाब हो गए हैं। इससे उनके साथ के दो विधायक भाजपा में आने से वंचित रह गए हैं। पर भाजपा की नजरें तीन कांग्रेस विधायकों पर हैं। जो कभी भी भाजपा की शोभा बढ़ा सकते हैं। अभी छह सीपीएस का मामला भी अदालत में लटका हुआ है। यानी गणित कभी भी कांग्रेस का गड़बड़ा सकता है। कांग्रेस को अपने बागियों को कोसने की जगह अपना कुनबा संभालने की तरफ ध्यान देना चाहिए। वरना केन्द्र विपक्ष की सरकारें गिराने में महारत हासिल करता जा रहा है।

कंगना व्यक्तिगत हमलों की शिकार है

हिमाचल प्रदेश में सबसे फिल्म तारिका कंगना को भाजपा ने मंडी संसदीय क्षेत्र से टिकट थमाया है, तब से उनकी लोकप्रियता हिमाचल में लगातर बढ़ रही है। उनके बढ़ते जादू को कम करने के लिए कांग्रेस उन पर लगातार व्यक्तिगत

प्रचण्ड समय

हमले करती आ रही है।कंगना के हक में पूर्व मुख्यमंत्री और बुजुर्ग भाजपा नेता शांताकुमार भी खुल कर सामने आए हैं। उसके बाद कांग्रेस के एक हैंडल से उनकी अश्लील फोटो भी सार्वजनिक की है। भाजपा ने इसकी शिकायत चुनाव आयोग को की है। चुनाव आयोग भी इस घटना का कड़ा संज्ञान ले रहा है।पर कंगना की मांग देश- प्रदेश में बढ़ रही है। अपने हलके से हटकर वे कांगड़ा संसदीय क्षेत्र में भी प्रचार कर आई है। यही नहीं राजस्थान में भी भाजपा के कुछ हलकों में उन्हें प्रचार के लिए बुलाया गया है।

कल नई दिल्ली में तय होंगे कांग्रेस के लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव प्रत्याशी

हिमाचल प्रदेश में होने वाले लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस के प्रत्याशियों की घोषणा गुरुवार को होगी।

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश में होने वाले लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस के प्रत्याशियों की घोषणा गुरुवार को होगी। प्रत्याशियों का चयन करने के लिए आयोजित होने वाली केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक का शेड्यूल जारी हो गया है। बैठक में शामिल होने के लिए मुख्यंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू बुधवार दोपहर को नादौन से दिल्ली के लिए रवाना होंगे और गुरुवार को बैठक में शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री भी 25 अप्रैल को होने वाली केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में शामिल होने के लिए नई दिल्ली जाएंगे।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि बुधवार को विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रत्याशियों के पैनल बनाने को नई दिल्ली में स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक होना भी संभावित है। छह विधानसभा उपचुनावों के लिए भी सर्वे के आधार पर संभावित प्रत्याशियों के पैनल तैयार किए जाएंगे। गुरुवार को होने वाली केंद्रीय समिति की बैठक में इन पैनल को रखा जाएगा।

26 को डोडरा क्वार, राजगढ़ में चुनावी जनसभाएं करेंगे सीएम

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का 26 अप्रैल को शिमला संसदीय सीट के तहत डोडरा क्वार और राजगढ़ में चुनावी जनसभाएं करना प्रस्तावित है। पार्टी नेताओं ने बताया कि 26 अप्रैल को मुख्यमंत्री सुक्खू नई दिल्ली से सीधे जनसभाओं में पहुंचेंगे। उनके साथ शिमला संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी भी मौजूद रहेंगे।

धर्मशाला और सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र का मुख्यमंत्री खुद दौरा कर चुके हैं, स्थानीय राजनीति और समीकरणों के आधार पर अब मुख्यमंत्री इन दोनों सीटों के लिए प्रत्याशी तय करेंगे।

इसके अलावा अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने बड़सर और कुटलैहड़ के प्रत्याशियों को लेकर भी पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोली है। इन चार सीटों पर मुख्यमंत्री की पसंद से ही प्रत्याशी तय होंगे। गगरेट में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की राय को प्राथमिकता दी जाएगी।

लाहौल-स्पीति से प्रत्याशी तय करने के लिए कांग्रेस अभी पसोपेश में है। यहां से भाजपा के पूर्व मंत्री रामलाल मारकंडा को पार्टी प्रत्याशी बनाने का फैसला अभी तक नहीं लिया गया है। उधर, कांगडा और हमीरपुर संसदीय सीट से कांग्रेस सीटिंग विधायकों को चुनाव लड़ाने की तैयारी में है। अगर विधायकों को चुनाव मैदान में उतारने पर एकराय नहीं बनी तो पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर दांव खेला जाएगा।

पालमपुर दराट कांडःबाजार में छात्राओं की गर्जना

प्रचण्ड समय . पालमपुर

पालमपुर बस अड्डे में बेटी शाइना पर दिनदहाड़े दराट के हमले में बुरी तरह से घायल कर देने के विरोध में मंगलवार को केएलवी कॉलेज की छात्राओं ने पालमपुर बाजार में विशाल जुलूस निकाला तथा पालमपुर पुलिस स्टेशन के बाहर धरना प्रदर्शन किया। कालेज की छात्राएं आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग कर रही थीं। उन्होंने प्रदेश सरकार व प्रशासन से मांग की है कि लड़कियों की सुरक्षा के लिए नया कानून बनाकर उसमें कड़ी सजा का प्रावधान किया जाए। छात्राएं हाथ में तख्तियां लेकर जोरदार नारेबाजी कर रही थी। छात्रों में इस घटना को लेकर भारी रोष देखा गया।

मुख्यमंत्री सुक्खू बोले- पालमपुर में हुए हमले को मुद्दा बनाकर राजनीतिक रोटियां सेंक रही भाजपा

प्रचण्ड समय . शिमला

भाजपा पालमपुर में बिटिया पर हुए जानलेवा हमले के मामले में राजनीतिक रोटियां सेंकने का प्रयास कर रही है। अगर कंगना रनौत को खर्च उठाना था तो आपदा के समय जब आमिर खान ने 25 लाख हिमाचल को दिए थे उस वक्त चुनाव लड़ने वाली हिमाचल की बेटी को प्रदेश का दर्द जानना चाहिए था। अब इलाज का खर्च उठाकर सुर्खियां बटोरने का प्रयास किया जा रहा है। नादौन के सेरा विश्राम गृह में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने यह बातें कही हैं। सीएम सुक्खू ने मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत के हमले में घायल बिटिया का खर्च उठाने के बयान पर यह प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यदि वह खर्च उठाना चाहती है तो कोई बड़ी बात नहीं है। सरकार पहले ही घायल बिटिया के इलाज का खर्च उठाने का निणर्य ले चुकी है, लेकिन भाजपा अब इस मुद्दे पर राजनीतिक रोटियां सेंक रही है।

'भाजपा के कार्यकर्ता और नेता विचलित'

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के मुख्यमंत्री के विधायकों के कांग्रेस छोड़ने पर विचलित होने के बयान पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि विचलित कांग्रेस और मुख्यमंत्री नहीं है बल्कि भाजपा के नेता हुए हैं। कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए बागियों को टिकट दिए गए हैं। भाजपा हाईकमान के इस निर्णय से जमीनी स्तर पर भाजपा के नेता और कार्यकर्ता विचलित हैं। नेता प्रतिपक्ष जब से सीएम की कुर्सी से हटे हैं वह खुद विचलित हैं। उन्होंने कहा कि हर बार नेता प्रतिपक्ष कानून व्यवस्था को मुद्दा बनाने का प्रयास करते हैं। सभी को मिलकर इस दुखद घटना का विरोध करना चाहिए, लेकिन भाजपा इस पर राजनीतिक रोटियां सेंकने का प्रयास कर रही है।

'जयराम ठाकुर मुख्यमंत्री की कुर्सी हथियाने में लगे हैं'

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि जब से नेता प्रतिपक्ष सीएम की कुर्सी से हटे वह कुर्सी हथियाने के प्रयास में लगे हैं और कानून व्यवस्था को मुद्दा बनाने का प्रयास करते हैं।

नेता प्रतिपक्ष बेटी के घर गए यह अच्छी बात है, लेकिन मामले में राजनीति कर वह किस राजनीतिक परपंरा को बढ़ावा देना चाहते हैं। पालमपुर में पेश आई घटना बेहद दुखद हैं। यह हिमाचल की संस्कृति नहीं है। हिमाचल में देव संस्कृति पर विश्वास करने वाले लोग हैं। पीड़ित हमारी बेटी है। आरोपी व्यक्ति को जेल की सलाखों के पीछे भेजा गया है।

'चंबा फ़र्स्ट' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मोदी ने चंबा को आकांक्षी ज़िला बनाया : जयराम ठाकुर

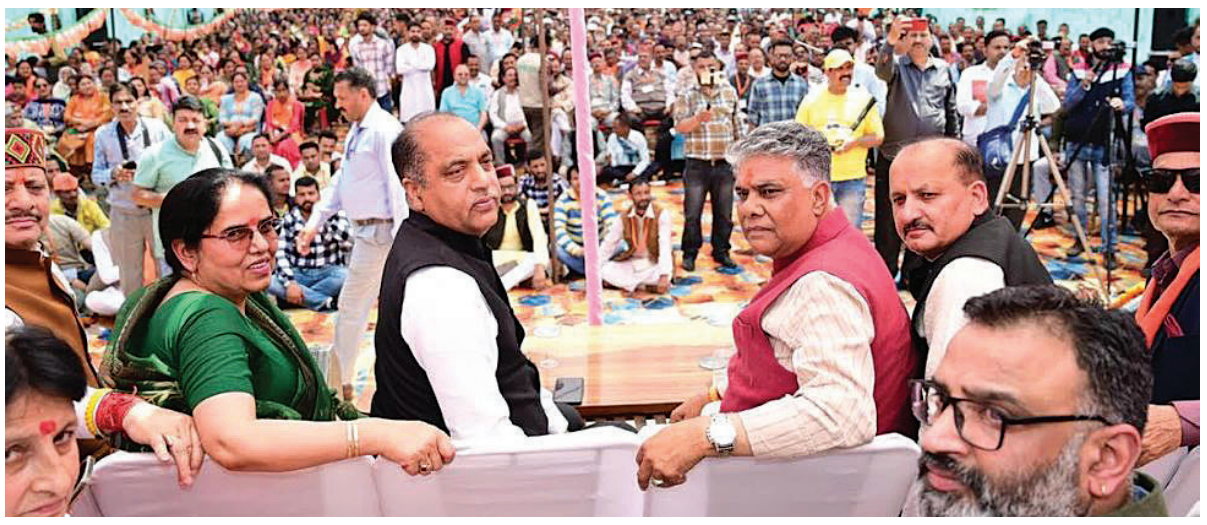

प्रचण्ड समय . चंबा/डलहौज़ी

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि देश का विकास ही मोदी का सपना है। उसके लिए वह हर ज़रूरी कदम उठाते हैं। चंबा को विकास की रेस में सबसे आगे रखने, देश के बाक़ी ज़िलों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलने के लिए आकांक्षी ज़िला बनाया। जिससे प्राथमिकता के आधार पर चंबा के विकास के लिए योजनाएं चलाई जा सकें। वह दिन दूर नहीं जब चंबा हर क्षेत्र में अव्वल होगा और चंबावासियों के 'चंबा फर्स्ट' का लक्ष्य हासिल होगा। चंबा की लोकसंस्कृति को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री स्वयं कई बार देखे गये हैं। आज हिमाचल में केंद्र सरकार के लाखों करोड़ के प्रोजेक्ट ज़मीन पर उतर गये हैं, चल रहे हैं या पाइप लाइन में हैं। आने वाले समय में विकास की यह गति और तेज होगी। प्रधानमंत्री ने चंबा की ज़रूरतों को देखते हुए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तीसरे फ़ेज़ की शुरुआत ही चंबा से की।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वैसे तो नेता अपनी पार्टी के नेताओं को, आलाकमान को पत्र लिखकर कहते हैं कि टिकट दे दीजिए। टिकट मिलने के लिए सौ प्रयास करते हैं। कांग्रेस के नेताओं की हालत अलग है।

कांग्रेस के नेता अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहते है कि उन्हें टिकट न दिया जाए। उनकी बातें सुनी जाएं। इसके बाद भी टिकट मिल जाने के डर से अपने पत्र को भी लीक किया जाता है। कांग्रेस की यह हालत आज सिर्फ़ हिमाचल में ही नहीं देश भर में हैं। लेकिन हिमाचल के नेताओं द्वारा चुनाव लड़ने से मना करना समझ के परे हैं। यहां तो उनकी सरकार है, अगर उन्होंने अपनी सरकार में काम किए होते तो आज जनता के बीच जाने से क्यों डरते हैं। क्योंकि वह अपने आप यह सत्य तो जान ही रहे हैं कि उन्होंने कुछ नहीं किया। कांग्रेस के एक नहीं कई बड़े नेताओं ने कोई न कोई बहाना बनाकर चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने डेढ़ साल में कुछ खोलने नहीं सिर्फ़ बंद करने का काम किया है। इसीलिए प्रदेश के लोगों ने कांग्रेस को सबक़ सिखाने का मन बना लिया है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में क़ानून व्यवस्था रसातल में चली गई है। पुलिस लोगों द्वारा पकड़े गये पालमपुर के आरोपी को ले गई लेकिन बीटिया को सड़क पर ही छोड़ दिया, जबकि उसे हॉस्पिटल ले जाना चाहिए, बिटिया को स्थानीय लोग अस्पताल ले गये। मुख्यमंत्री कह रहे है कि यह क़ानून व्यवस्था का मामला नहीं हैं। उनके इसी तरह के बयानों से ही अपराधियों के डरने की बजाय उनका हौसला बढ़ रहा है। शिमला में जो नाबालिग बच्ची के साथ होने की खबर आ रही है, बद्दी में दिन दहाड़े खूनी झड़प हो रही है, गोलियां चल रही हैं। यह सब बर्बाद हो चुकी क़ानून-व्यवस्था का मामला ही हैं और मुख्यमंत्री इस बात को जितनी जल्दी स्वीकार कर लें उतना ही अच्छा है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री को वर्तमान स्थिति के लिए ख़ुद का दोष स्वीकारना चाहिए। उनके द्वारा की गई जलालत के कारण ही विधायक नाराज़ हुए। हैरानी की बात यह है कि मुख्यमंत्री ने अपने ही विधायकों की आवाज़ को अनसुना कर दिया। कांग्रेस के विधायकों ने पार्टी स्तर पर अपनी बात रखते हुए साफ़ कहा कि हिमाचल से ही राज्यसभा का प्रत्याशी बनाया जाए, यह बात भी नहीं सुनी गई तो विधायकों ने अपनी आवाज़ सुनाने की कोशिश की। कांग्रेस के पर्यवेक्षक को दिखाकर ही भाजपा के प्रत्याशी को वोट दिया। सब कुछ शीशे की तरह साफ़ है, बस उसे ईमानदारी से देखने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री के पास अगर ख़रीद-फ़रोख़्त के सबूत हैं तो वह जनता के सामने रखे कोर्ट के सामने रखें। इस तरह से बातें करने से पहले वह अपने पद का ध्यान रखें। यह बातें जयराम ठाकुर ने आज चंबा ज़िला के डलहौज़ी और चंबा के विभिन्न कार्यक्रमों और पत्रकार साथियों के साथ बात चीत के दौरान कही।

प्रचण्ड समय

अब रोजाना देखें प्रचण्ड समय का ई-पेपर
www.prachandsamay.com पर

न्यूज ब्रीफ..

भाजपा पालमपुर की घटना का कोई राजनैतिक लाभ नही ले सकतीः संजय अवस्थी

शिमला . .प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष एवं मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी ने पालमपुर की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि भाजपा इस घटना का कोई राजनैतिक लाभ नही ले सकती। उन्होंने कहा है कि यह घटना बहुत ही दुखदाई है । पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है और उसे कानून के तहत कठोर सजा दी जाएगी। इस घटना को प्रदेश की कानून व्यवस्था के साथ जोड़ कर कदापि नही देखा जाना चाहिए,जैसा कि भाजपा के नेता जगह जगह अपनी चुनावी जनसभाओं में इस घटना के बाद प्रदेश में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहें हैं। संजय अवस्थी ने कहा है कि सरकार पीड़ित महिला व उनके परिवार के साथ खड़ी है और उसे पूरा न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी । उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पीड़ित परिवार से मिल कर घायल युवती के स्वास्थ्य उपचार का पूरा खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन करने की पहले ही घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसी घटनाएं बहुत ही दुखदाई होती है पर ऐसी किसी भी घटना पर कोई राजनीति नही होनी चाहिए। संजय अवस्थी ने कहा है कि इस समय प्रदेश में भाजपा के पास चुनावों के लिये कोई मुद्दा नही है। उन्होंने कहा कि लोगों की भावनाओं से खेलना भाजपा की आदत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा ने जिस प्रकार से ऑपरेश लोटस को अंजाम देने की कोशिश की थी,उसमें वह बुरी तरह विफल हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा का चरित्र व चेहरा प्रदेश के लोगों के सामने आ चुका है। संजय अवस्थी ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा है भाजपा प्रदेश में अपने राजनैतिक उद्देश्य के लिये लोगों को गुमराह करने का असफल प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा है कि भाजपा ने जिस प्रकार प्रदेश में कांग्रेस सरकार को एक षड्यंत्र के तहत अस्थिर करने की असफल प्रयास किया, उससे भाजपा पूरी तरह बैकफुट पर आ गई है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के पास पूर्ण बहुमत है और इसे कोई खतरा नही है। चुनाव परिणामों के बाद प्रदेश की कांग्रेस सरकार ओर भी मजबूत होगी। कांग्रेस इस बार प्रदेश की चारों लोकसभा सीटों के साथ साथ छह विधानसभा उप चुनावों में अपनी जीत का परचम लहरायेगी।

अतिरिक्त उपायुक्त ने स्थानीय बोली में तैयार मतदाता जागरूकता गीत जारी किया

सोलन . जिला सोलन में मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम के तहत अभिनव पहल करते हुए मतदाता जागरूकता पर एक वीडियो सॉन्ग जारी किया गया।

अतिरिक्त उपायुक्त सोलन अजय कुमार यादव ने आज पुराने उपायुक्त कार्यालय परिसर से यह वीडियो गीत "आसा सभी वोट पाणे बोलो जाणा" जारी किया।

प्रचण्ड समय

लगभग 4 मिनट के इस वीडियो गीत में लोगों को अधिक से अधिक मतदान करने के बारे में स्थानीय भाषा में संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया है। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार इस बार मतदाता प्रतिशतता बढ़ाने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में आज जिला प्रशासन तथा निर्वाचन विभाग, शिक्षा व अन्य विभागों के सहयोग से यह वीडियो गीत तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि यह वीडियो गीत विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मोबाइल फोन पर भी उपलब्ध करवाया जाएगा। कोई भी व्यक्ति जिला प्रशासन के फेसबुक पेज व अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म से गीत डाउनलोड कर सकता है। उन्होंने आग्रह किया कि इस गीत के माध्यम से मतदान का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें, ताकि सभी लोग लोकतंत्र को मजबूत करने के इस महापर्व में अपना सक्रिय सहयोग दे सकें।

अजय कुमार यादव ने कहा कि अकसर यह देखने में आता है कि मतदान वाले दिन शहरों में कुछेक लोग और विशेष तौर पर युवा घरों में उपस्थित जरूर रहते हैं, लेकिन मतदान के प्रति ज्यादा उत्साह नहीं दिखाते हैं। ऐसे मतदाताओं को मतदान के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करने के लिए स्वीप के अंतर्गत यह पहल की गई है।

इस अवसर पर तहसीलदार निर्वाचन उषा चौहान, नायब तहसीलदार निर्वाचन दीवान सिंह ठाकुर सहित शहर के नए व युवा मतदाता भी उपस्थित थे।

यदि काँग्रेस पार्टी यदि उनके नाम पर कांगड़ा-चम्बा संसदीय क्षेत्र के लिए विचार करती है तो सभी वर्गो के सहयोग से रिकॉर्ड तोड़ जीत होगी - मदन भरमौरी

बेबाक रघुनाथ शर्मा . जसूर

अखिल भारतीय गद्दी जनजातीय विकास समिति के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष व पूर्व महासचिव जनजाति विभाग हिमाचल कांग्रेस कमेटी मदन भरमौरी ने कहा की है कि वे प्रारंभ से ही वैचारिक दृष्टि से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए है हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े गद्दी जनजातीय समुदाय के सामाजिक विषयों के उत्थान के लिए लंबे समय से संघर्षशील हैं, और गत 30 वर्षों से संगठन के साथ जुड़ कर प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से निस्वार्थ भाव से समाज सेवा में लगे हुए हैं।

होटल रतन ठंगर (जसूर) में मंगलवार को प्रैस मीट में गद्दी नेता मदन भरमौरी ने कहा की आजादी के बाद जब पहली बार गद्दी बहुल लोकसभा सीट से गद्दी समुदाय को टिकट मिला था, तो समस्त गद्दी समुदाय ने कांग्रेस और भाजपा से ऊपर उठकर अपने गद्दी समुदाय के प्रत्याशी को एक जुट होकर वोट दिए थे और परिणाम यह हुआ कि किशन कपूर को हिमाचल प्रदेश के आज तक के राजनीतिक इतिहास में सबसे ज्यादा रिकॉर्ड तोड़ जीत मिली।

गद्दी नेता मदन भरमौरी ने कांग्रेस हाईकमान से यह मांग की कि आज कांग्रेस पार्टी के पास सुनहरा अवसर है कि भाजपा द्वारा गद्दी समुदाय को दिए गए इस गहरे राजनितिक जख्म पर मरहम लगाने के लिए कांग्रेस को गद्दी समुदाय से सम्बन्धित उम्मीदवार को टिकट देने पर विचार करना चाहिए।

प्रचण्ड समय

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा ने गद्दी समुदाय से सम्बन्ध रखने बाले सांसद किशन कपूर को विश्वास में लिए बिना ही जिस तरह से दूध से मक्खी की तरह निकाल करके फेंका है उससे मात्र सांसद किशन कपूर ही अपमानित नहीं हुए हैं बल्कि भाजपा के इस नकारत्मक रेवेये से समूचे गद्दी समुदाय का अपमान हुआ है क्यूँ कि हिमाचल प्रदेश की राजनीति में धर्मशाला विधान सभा क्षेत्र से 5 वार विधायक, 2 वार हिमाचल सरकार में कैबिनेट मंत्री व कांगड़ा चम्बा सीट से 2019 में रिकॉर्ड मतों से जीतकर सांसद रह चुके पढे-लिखे होनहार ईमानदार कर्मठ, दूरदर्शी, और कांगड़ा-चम्बा के समस्त गद्दी समुदाय के आदर्श गद्दी नेता के रूप में किशन कपूर जी को अथवा समस्त गद्दी समुदाय को भाजपा के द्वारा एक ही झटके में अयोग्य घोषित कर दिया गया।

भरमौरी ने कहा कि भाजपा के इस रवेये से आज प्रदेश का पूरा गद्दी समुदाय भाजपा की विचारधारा का समर्थन करने बाले लोग वेशक भाजपा उम्मीदाबर के चुनाव प्रचार में बाहरी मन से सम्मलित हो रहे हैं लेकिन सच यही है की वह अंदर से कांग्रेस पार्टी से यह उम्मीद लगाए बैठे है की जिस दिन कांग्रेस पार्टी गद्दी समुदाय के उम्मीदबार की घोषणा करेगी उसी दिन किशन कपूर के चुनाव की तरह अपने क्षेत्र एवं समुदाय के प्रत्याशी के समर्थन में दिन रात एकजुट होकर खुले मन से काम करेंगे और एतिहासिक जीत प्राप्त करेंगे।

काबिले गौर है कि गद्दी मात्र एक जाति नहीं है बल्कि एक विपुल गद्दी समुदाय है जिसमें 12 जातियां एवं उप जातियां शामिल हैं।

मदन भरमौरी ने कांग्रेस हाईकमान को भेजे अपने पत्र में कहा है, कि यदि काँग्रेस पार्टी यदि उनके नाम पर कांगड़ा- चम्बा संसदीय क्षेत्र के लिए विचार करती है तो जहां कांग्रेस पार्टी का अपना एक केडर वोट के साथ एससी, ओबीसी और एसटी जैसे सभी समाज के पिछड़े वर्ग का भरपूर समर्थन प्राप्त होगा, और एक शानदार जीत के साथ में इस सीट को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुख्खू व केंद्रीय हाईकमान की झोली में डालूंगा बल्कि मंडी सीट पर भी कांग्रेस को इसका सीधा-सीधा लाभ होगा क्योंकि गद्दी बहुल क्षेत्र भरमौर और जोगिंदर नगर का चौंतडा ब्लॉक मंडी संसदीय क्षेत्र में आता है।

25 अप्रैल को राजकीय आर्य डिग्री कॉलेज नूरपुर में पहली चुनावी रिहर्सल आयोजित की जाएगी

बेबाक रघुनाथ शर्मा . नूरपुर

लोकसभा चुनाव-2024 के दौरान मतदान प्रक्रिया के लिए तैनात सेक्टर ऑफिसर,नोडल ऑफिसर सहित पीठासीन तथा मतदान अधिकारियों के लिए 25 अप्रैल को प्रातः 10:00 बजे स्थानीय राजकीय आर्य डिग्री कॉलेज में पहली चुनावी रिहर्सल आयोजित की जाएगी। जबकि 22 मई को दूसरी चुनावी रिहर्सल आयोजित होगी।

सहायक निर्वाचन अधिकारी (एसडीएम) गुरसिमर सिंह ने बताया कि इस रिहर्सल में 626 पीठासीन तथा मतदान अधिकारियों को ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार रिहर्सल के लिए एक ही समूह बनाने के बजाए छः अलग-अलग

प्रचण्ड समय

ग्रुप बनाए गए हैं जिन्हें मतदान प्रक्रिया बारे पीपीटी के माध्यम से विस्तृत ट्रेनिंग देने सहित अन्य बारीकियाँ समझाई जाएंगी। इसके अतिरिक्त ईवीएम व वीवीपैट बारे टिप्स देने के साथ मतदान के दौरान सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं को शीघ्र हल करने बारे भी जानकारी दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि मतदान प्रक्रिया के सम्पूर्ण संचालन के लिए तैनात सभी सेक्टर ऑफिसर को भी 24 अप्रैल को ट्रेनिंग दी जाएगी। जिसमें मतदान प्रक्रिया के दौरान उनकी विभिन्न जिम्मेदारियों बारे अवगत करवाने सहित ईवीएम व वीवीपैट के संचालन बारे भी टिप्स दिए जाएंगे।

ढंग निचली में निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया

प्रवीण शर्मा . बददी

प्रचण्ड समय

इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च एंड ग्रोथ द्वारा ग्लेनमार्क फाऊंडेशन के सहयोग से निचली ढंग में आयोजित शिविर में लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच। जिसमें 41 लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच किया गया। वहीं आवश्यक दवाइयां वितरीत के साथ साथ बीपी, खून, सुगर व ईसीजी की भी जांच की गई। इस मौके पर डॉक्टर अंजली गोयल, सामान्य रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर अभिजीत अवस्थी, दंत चिकित्सक , ग्लेनमार्क राजपुरा से सुरिंदर कपूर और आईआरजी एनजीओ के स्वास्थ्य कार्यकर्ता श्वेता शर्मा, पिंकी वर्मा, सुषमा शर्मा, दिनेश कुमार, राज कुमार, आशा वर्कर चरनजीत कौर, आगनवाड़ी वर्कर सोमा देवी और वार्ड पंच नरिंदर कौर समेत अन्य मौजूद रहे।

ग्लेनमार्क फाऊंडेशन के मोबाइल क्लीनिक के डॉक्टर अंजली गोयल ने लोगों का स्वास्थ्य का जांच किया। जांच के दौरान उन्होंने लोगों को कई उचित सलाह के साथ-साथ आवश्यक दवाएं भी दी। लोगों से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। कहा कि लोगों को अपनी स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सजग रहना चाहिए। क्योंकि समय पर छोटी बीमारियों का भी इलाज नहीं होने पर बीमारी गंभीर हो जाती है। पैसे के अभाव में लोग समय पर छोटी बीमारियों का इलाज नहीं करा पाते हैं। जिसके कारण आगे चलकर काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं आर्थिक रूप से काफी नुकसान उठाना पड़ता है।

जय श्रीराम के जयकारों से गुंजा प्राचीन हनुमान मंदिर झाड़माजरी

प्रवीण शर्मा . बद्दी

औद्योगिक क्षेत्र बद्दी के तहत झाड़माजरी स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में राम परिवार व बाबा विश्वकर्मा के स्थापना दिवस पर श्रीमद भागवत कथा के समापन व हनुमान जन्मोत्सव पर हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय लोगों ने बढ़चढ़ हिस्सा लिया। हनुमान जन्मोत्सव पर प्राचीन हनुमान मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया, पूरा मंदिर परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान रहा। 16 से 22 अप्रैल तक विख्यात कथावाचक प्रदीप शास्त्री शाहपुर ने भक्तों को श्रीमद भागवत कथा का रसपान करवाया। उन्होंने कहा के कलयुग में पापों से मुक्ति और जन्ममरण के चक्कर से छुटकारा दिलाने वाली श्रीमद भागवत कथा ही है। प्रदीप शास्त्री ने कहा के मौजूदा पीढ़ी धर्म और संस्कारों से दूर होती जा रही है जो के चिंता का विषय है। उन्होंने अभिभावकों से आहवान किया के अपने बच्चों

प्रचण्ड समय

को धर्म और संस्कृति से जोड़ें।

प्राचीन श्री हनुमान मंदिर सेवादल झाड़माजरी के हरबंस ठाकुर ने बताया के राम परिवार व बाबा विश्वकर्मा के स्थापना दिवस पर भागवत कथा का आयोजन किया गया। हनुमान जन्मोत्सव पर हवन यज्ञ व कथा समापन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर कथावाचक प्रदीप शास्त्री, पंडित मुकेश शर्मा, मंदीप, विमल, कुलदीप धीमान, दीपू, अमर ठाकुर, अच्छर पाल कौशल, बीडीसी पुष्पेंद्र कौर, मीना ठाकुर, रंजू, अमरजीत कौर, दिशा, उमा देवी, स्वर्ण कौर, आंति देवी, वचनी देवी, मथरा देवी, आशा राजपूत, सुनीता नेगी, नूतन पांडे, शशि, रचना, प्रियंका, पूजा, कविता, अनु, सोनू, रिंकू ठाकुर, जगन्नाथ, वीरू, जगदीप, जॉनी ठाकुर, जगदीप, यश ठाकुर, अजय ठाकुर, मनीष कतना, खेम चंद गोतम, राम कुमार, अमर ठाकुर, अंकु ठाकुर, दीपक कुमार, रवि धीमान, नरेश कुमार, हरभजन सिंह, अशवनी कुमार, महिंदर ठाकुर, बलिंद्र ठाकुर समेत भारी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ..

मोहम्मद अली जिन्ना की आत्मा कांग्रेस में प्रवेश कर गई है : बिंदल

प्रचण्ड समय

शिमला . कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मुस्लिम लीग के नक्शे कदम पर चल रही है और ऐसा प्रतीत होता है कि मोहम्मद अली जिन्ना की आत्मा कांग्रेस में प्रवेश कर गई है। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 राजीव बिन्दल ने कहा कि केरल में मुस्लिम लीग जो कांग्रेस की सहयोगी है और जिसके बारे में राहुल गांधी ने कहा था कि यह शुद्ध पवित्र लोग हैं, उन्होनें केरल की सड़कों पर हिन्दु विरोधी नारे लगाए, हिन्दुओं को मारने की और रामायण को न पढ़ने देने की घोषणा की उस पर कांग्रेस द्वारा कोई टिप्पणी न किया जाना इस बात को साबित करता है कि कांग्रेस मुस्लिम लीग के समर्थन में खड़ी है। डॉ0 बिन्दल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का घोषणा पत्र केवल और केवल एक धर्म विशेष के तुष्टीकरण के साथ भरा पड़ा है। कांग्रेस पार्टी देश को केवल वोट लेने के लिए जाति, धर्म, सम्प्रदाय के आधार पर बांटने की दोबारा से तैयारी कर रही है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने अनेक स्थानो पर सार्वजनिक रूप से कहा कि 97 प्रतिशत हिन्दु राज्य हिमाचल में कांग्रेस ने हिन्दुवादी पार्टी को हराया है। यही मुख्यमंत्री महोदय राज्यसभा के उम्मीदवार के रूप में उस व्यक्ति को दिल्ली से लेकर आए जिन्होनें न्यायालय में भगवान राम के अस्तित्व को चुनौती दी। जिन्होनें कहा कि राम केवल उपन्यास है, जिन्होनें राम सेतु का उपहास किया और इसी के विरोध में हिमाचल प्रदेश के 9 विधायकों ने कांग्रेस के राज्यसभा उम्मीदवार को पटकनी दी।

हिम गंगा डेयरी उत्पादक कंपनी को नाबार्ड से मिली 2 लाख 31 हजार की ग्रांट

प्रचण्ड समय

मंडी . नाबार्ड प्रायोजित और मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के सहयोग से किसान उत्पादक संगठन परियोजना के तहत हिम् गंगा डेयरी प्रोड्यूसर कंपनी, परसदा हवानी,सरकाघाट को नाबार्ड से 2 लाख 31 हजार की बीडीए ग्रांट प्राप्त हुई हैं। यह जानकारी देते हुए मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति की परियोजना प्रभारी रीना शर्मा ने बताया कि इसके तहत कंपनी के द्वारा अपने बिजनेस को बढ़ाने हेतु विभिन्न उपकरण जैसे फ्रीज, डिफरेंजर, कॉन्टेनर आदि सामान खरीदे गए हैं। इस गृंराट के मिलने के बाद स्थापित किए गए व्यवसाय की शुरूआत में कंपनी के निर्देशक कुसुमलता, मीना देवी,गीता देवी ,अंजलि, विद्या, ललिता पूनम एवं सीईओ हेमलता मौजूद रहे। निर्देशक कुसुमलता ने बताया कि नाबार्ड से प्राप्त ग्रांट से लिए गए उपकरणों का इस्तेमाल विभिन्न डेयरी उत्पादो जैसे दूध, दही, पनीर, खोया आदि को रखने हेतु किया जायेगा जिसके माध्यम से कंपनी के बिजनेस में बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ साथ महिलाओं की आर्थिक स्थिति में भी बढ़ौतरी होगी।

श्रविवार को बिझडी में विशाल रूहानी सत्संग'

प्रचण्ड समय

मंडी . रूहानी सत्संग प्रेम समाज के ऐतिहासिक तीर्थ श्री झंडा साहिब, द्वारा किए जा रहे सत्संग आयोजनों की कड़ी में रविवार 28 अप्रैल को जिला हमीरपुर के बिझड़ी में सत्संग का कार्यक्रम रखा गया है। रूहानी सत्संग के प्रवक्ता ने बताया कि बिझडी की पावन धरती पर हर वर्ष की भाँति, इस वर्ष भी गुरु महाराज कमल बीर जी 28 अप्रैल, रविवार को सलौणी बाबा बालक नाथ मार्ग के बीच पड़ने वाले बिझड़ी कस्बे में सुबह 11 बजे से सत्संग करेंगे। प्रवक्ता के अनुसार हिमाचल वासियों के लिये महाराज बीर जी के दर्शन तथा आशिर्वाद पाने, सत्संग सुनकर जीवन में आनंद व मौज की अनुभूति करने का एक सुनहरी अवसर है. कृपया, परिवार सहित पधारे । इसके लिए रूहानी सत्संग प्रेम समाज (पंजी.) शाखा बिझडी से भी 9988854226, 9459514373 पर संपर्क किया जा सकता है ताकि प्रबंध व्यवस्था में आसानी हो सके।

27 साल का हुआ हिमाचल दर्शन, बीते वक्त की बात हो जाने का बना खतरा, विशाल संग्रह को सरकार ले अपने अधीन ताकि मंडी में बना रहे एक संग्रहालय

प्रचण्ड समय . मंडी

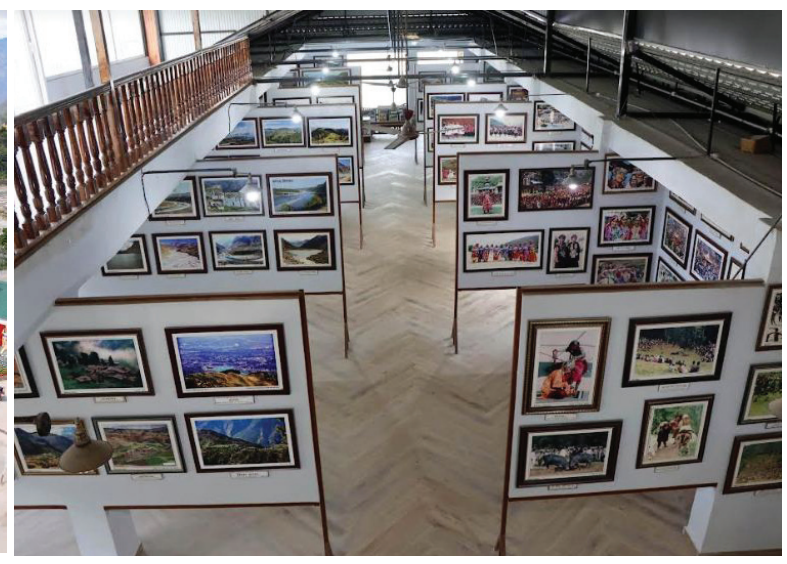

पूरे देश में अपनी तरह की अनूठी हिमाचल दर्शन फोटो गैलरी जिसमें एक प्रदेश को हर विधा से एक ही छत के नीचे देखा, समझा व पढ़ा जा सकता है, बुधवार को अपनी स्थापना के 27 साल पूरे कर रही है। 24 अप्रैल 1997 को स्थापित इस फोटो गैलरी का वर्तमान में अभूतपूर्व परिसर बन चुका है जिसमें जहां छायाचित्रों के माध्यम से पूरे प्रदेश को देखा जा सकता है वहीं इसमें अब प्राचीन वस्तुओं का एक रोचक संग्रहालय भी स्थापित हो चुका है। गैलरी परिसर जहां प्राचीन बरसेले भी शोधकर्ताओं के शोध के लिए स्थापित किए गए हैं, वहीं हेरीटेज पुस्तकालय के साथ साथ अब इसे विडियो गैलरी भी बना दिया गया है जिसमें लोक गीत, मेले, त्यौहार, नृत्य व महत्वपूर्ण स्थलों को देखा जा सकता है। इस फोटो गैलरी में अब तक पांच लाख से अधिक दर्शक आ चुके हैं।

छायाकार व संस्थापक बीरबल शर्मा ने बताया कि फोटो गैलरी के फिर से मिट जाने का खतरा पैदा हो गया है। 2018 में विस्थापन का दंश झेलने के बाद लगातार पांच साल के प्रयास से जब इसे फिर से बेहद आकर्षक, विस्तारित व ज्यादा जानकारी के साथ बनाया गया तो अब पठानकोट मंडी फोरलेन के लिए इसे अधिग्रहित किया जा रहा है। ऐसे में बिना कोई पूर्व सूचना दिए या आगाह किए वगैर अब बार बार विस्थापन का दंश झेलना संभव नहीं है। बीरबल शर्मा ने बताया कि इसे बचाने के लिए हर दरवाजे पर दस्तक दी गई मगर असफलता ही हाथ लगी। उन्होंने बताया कि अब वर्तमान हालातों में जमीन की आसमान को छूती दरों, मुआवजा राशि बेहद कम मिलने व पहले जैसा जुनून व उम्र न रहने के चलते शायद इसे फिर से बनाया जा सकेगा। ऐसे में वह सरकार को एक पत्र लिख कर आग्रह करने जा रहे हैं इसके सारे संकलन या जो जरूरी समझते हैं उसे अपने अधीन लेकर मंडी में ही किसी जगह पर इसे स्थापित कर दिया जाए ताकि मंडी में भी एक संग्रहालय किसी ने किसी रूप में रह जाए। उनके अनुसार 27 साल में जो देश विदेश के दर्शकों ने अपने भ्रमण के दौरान टिप्पणियां की हैं वह इस बात का साक्षात प्रमाण है कि यह प्रयोग बेहद सफल हुआ है और ऐसा पूरे देश में कहीं नहीं है जिसमें एक ही जगह पर पूरे प्रदेश को हर तरह से देखा समझा व पढ़ा जा सकता हो। भरे मन से उन्होंने कहा कि जिस संग्रहालय को उन्होंने कालांतर तक बनाए रखने का सपना संजोया था व कथित विकास की आड़ में खत्म किया जा रहा है और हैरानी व दुख की बात यह है कि हमारे राजनेता, हुक्मरान, अधिकारी व संस्कृति के संरक्षण में लगे प्रभावशाली लोग भी इस धरोहर को बचाने में मदद नहीं कर पाए। ऐसे में इस साल के अंत में मंडी के इस संग्रहालय का नाम सदा सदा के लिए खत्म हो जाने की पूरी आशंका बनी है और इस व्यवस्था के आगे विवश हैं।

पालमपुर मामले में राजनीति भाजपा की संकीर्ण मानसिकता का प्रतीक : भवानी

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानिया ने कहा है कि पालमपुर में हुई घटना बेहद दुखद है, लेकिन भाजपा का इस0 पर राजनीति करना उनकी संकीर्ण मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पीड़ित परिवार को इलाज के खर्च के साथ-साथ हर संभव मदद का आश्वासन दिया है लेकिन भाजपा नेता इस मामले पर राजनीतिक रोटियाँ सेंक रहे हैं। वर्तमान राज्य सरकार इस मामले में पूरी तरह से संवेदनशील है और न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में क़ानून अपना काम कर रहा है और दोषी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा अपना ट्रैक रिकॉर्ड भी देखे तथा पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल में महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों की दर सबसे अधिक रही। उन्होंने कहा कि जयराम सरकार के कार्यकाल में 1755 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज किए गए, जबकि अपहरण के 1648 केस दर्ज हुए और हत्या के 130 मामले रजिस्टर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के पांच वर्ष के कार्यकाल में कुल महिलाओं के साथ अपराध के 9876 मामले दर्ज किए गए, जो हिमाचल प्रदेश की किसी भी सरकार के कार्यकाल का रिकॉर्ड है।

भवानी सिंह पठानिया ने कहा कि भाजपा सिर्फ ओच्छी राजनीति करने में लगी है, जबकि युवाओं के हित बेचकर पिछली भाजपा सरकार ने सबसे बड़ा गुनाह किया है। उन्होंने कहा कि जयराम सरकार के कार्यकाल में भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की सरेआम नीलामी होती रही। पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल में पुलिस भर्ती का पेपर बिका। इसके साथ-साथ हमीरपुर कर्मचारी अधीनस्थ चयन आयोग में कई परीक्षाओं के पेपर नीलाम हुए, लेकिन जयराम सरकार ने इस पर जानबूझकर आँखें मूँद कर रखी। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ इतना बड़ा गुनाह बिना राजनीतिक संरक्षण के संभव नहीं है और पिछली भाजपा सरकार ने युवाओं के हितों के बेचने वालों को राजनीतिक संरक्षण प्रदान किया।

लोकतंत्र की मज़बूती के लिए सभी लोगों की निर्वाचन में सहभागिता आवश्यक

प्रचण्ड समय . सोलन

अर्की उपमण्डल की राजकीय (बाल) वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कुनिहार में आज सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता (स्वीप) के तहत विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। स्वीप नोडल अधिकारी प्रो. यशपाल शर्मा ने अभियान की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि निर्वाचन विभाग की मतदाता जागरूकता की पहल में विद्यालय के विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

विद्यार्थी अपने अभिभावकों, रिश्तेदारों और अपने आस-पड़ोस में लोगों को मताधिकार के प्रयोग हेतु जागरूक करें, ताकि लोकतंत्र को ओर मज़बूत बनाया जा सके।

नोडल अधिकारी प्रो. यशपाल शर्मा ने सभी विद्यार्थियों, स्कूल के समस्त कर्मचारियों से लोकसभा चुनाव-2024 में अपने मत का प्रयोग करने की अपील की। स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. हेमराज सूर्य ने कहा कि लोकतंत्र की मज़बूती के लिए सभी लोगों की निर्वाचन में सहभागिता आवश्यक है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य भूपेंद्र ठाकुर ने भी सभी विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि वह अपने माता-पिता तथा परिचितों को मतदान के लिए प्रेरित करें।

इस अवसर पर निर्वाचक पर्यवेक्षक अनिल कुमार, बूथ स्तर अधिकारी तथा स्कूल के कर्मचारी व अध्यापक उपस्थित थे।

28 को होगा ब्राह्मण सभा का शपथ ग्रहण समारोह, शोभायात्रा भी निकलेगी

प्रचण्ड समय . मंडी

हिमाचल प्रदेश ब्राह्मण सभा की नवगठित राज्य कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 28 अप्रैल रविवार को मंडी में होगा। यह समारोह प्रदेशाध्यक्ष मनमोहन गौतम की अध्यक्षता में होगा। यह जानकारी देते हुए सभा के प्रदेश महामंत्री मुंशी राम शर्मा ने बताया कि प्रदेश कार्यकारिणी की त्रैमासिक बैठक को शपथ ग्रहण समारोह व शोभायात्रा के तौर पर मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम बाबा भूतनाथ मंदिर सराय में होगा जबकि कार्यक्रम शुरू किए जाने से पहले जेल रोड़ कुसुम सिनेमा के सामने स्थित संस्कार भवन से शोभायात्रा शुरू होगी जो मंडी शहर के प्रमुख भागों से होते हुए बाबा भूतनाथ मंदिर तक पहुंचेगी। महासचिव ने प्रदेश कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों व जिला अध्यक्षों से आग्रह किया है कि वह इस कार्यक्रम में जरूर भाग लें। एक दिन पहले आने वाले पदाधिकारियों के लिए ठहरने व खाने पीने की व्यवस्था हेतु जिला अध्यक्षों से आग्रह किया गया है वह इसकी सूचना समय पर दे दें तथा इसके लिए पूर्व प्रदेशाध्यक्ष गुण प्रकाश शर्मा से 9418200926 व मुंशी राम शमा्र 97368 32654 पर संपर्क करके सूचित कर दें।

प्रचण्ड समय

पाठकों की मांग पर जल्द ही देहरादून में पढ़ने को मिलेगा आपका अपना अखबार प्रचण्ड समय

थोड़े समय में ही पाठकों के दिल में बनाई जगह

आपके विश्वास और सहयोग से ही हम यहां तक पहुंच पाए

प्रचण्ड समय

को अखबार के लिए प्रशिक्षु पत्रकारों

और पोर्टल के लिए प्रशिक्षु रिपोर्टरों की शिमला में जरूरत है।

संपर्क करें-70180-86211

पीएम मोदी की मुसलमानों पर टिप्पणी से नाराज़ हुआ बीजेपी का पुराना साथी अकाली दल

शिरोमणि अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजस्थान के बांसवाड़ा में चुनावी रैली में दिए गए बयान की आलोचना की है।

सोमवार को जालंधर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री को कभी भी ऐसा वक्तव्य नहीं देना चाहिए था जिससे देश के लोगों में सांप्रदायिक घृणा, आपसी संदेह और ज़हर फैले।'

उन्होंने कहा, 'भारत हिंदुओं, सिखों, मुसलमानों, ईसाइयों, सभी का है। प्रधानमंत्री और भाजपा को सरदार प्रकाश सिंह बादल से सीखना चाहिए कि कैसे शांति और सांप्रदायिक समन्वय सुनिश्चित हो।'

विपक्ष के कई नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के बांसवाड़ा में दिए गए बयान की तीखी आलोचना की थी और इसे "हेट स्पीच" बताया था।

पीएम मोदी ने राजस्थान में हुई रैली में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के एक पुराने भाषण का हवाला देते हुए मुसलमानों पर टिप्पणी की थी, जिसमें उन्हें 'घुसपैठिए' और 'ज़्यादा बच्चे पैदा करने वाला' कहा था।

कांग्रेस ने भाजपा और दूसरे लोगों के खिलाफ़ चुनाव आयोग में 16 शिकायतें दर्ज की हैं।

ऐसे माहौल में लंबे समय तक भाजपा के साथी रहे अकाली दल की तरफ़ से आया बयान सुर्ख़ियों में है।

अकाली दल (बादल) प्रवक्ता परमबंस सिंह रोमाना कहते हैं, "ऐसे वक्तव्य से सामाजिक ताने बाने पर असर पड़ता है। भारत का प्रधानमंत्री कहीं खड़ा होकर किसी अल्पसंख्यक को निशाना बनाकर बोले तो हम उसकी कड़ी निंदा करेंगे।"

लेकिन भाजपा नेताओं के अल्पसंख्यकों पर पहले भी कई ऐसे बयान आए थे जिन पर विवाद हुआ था।

तब अकाली दल ने उस वक़्त उन बयानों की आलोचना क्यों नहीं की थी?

इस पर परमबंस सिंह रोमाना कहते हैं, "ऐसे मुद्दों पर किसी छोटे-मोटे किसी नेता का वक्तव्य पहले आ गया हो तो उसका महत्व उतना नहीं है, लेकिन जब प्रधानमंत्री ही बात करें तो बड़ी बात हो जाती है। इसलिए आप इस तरह की प्रतिक्रिया देख रहे हैं।"

भाजपा ने किया बचाव

पंजाब में भाजपा के नेता विनीत जोशी के मुताबिक "जिस संदर्भ में मोदी जी ने जिस बात को कहा है, उसे उस संदर्भ में ही देखना चाहिए।"

विनीत जोशी के मुताबिक, "मोदी जी ने कुछ गलत नहीं कहा। अगर आप हमारी 10 साल की सत्ता देखेंगे तो हज के लिए सब्सिडी कई गुना बढ़ी है, अल्पसंख्यकों के बच्चों को जो हम शिक्षा देते हैं, उसका बजट बढ़ा है, उसमें अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी बढ़ी है। आप गलत कर रहे हैं और आपके गलत को हम एक्सपोज़ कर रहे हैं।"

प्रचण्ड समय

लंबे समय तक दोस्ती

भाजपा और अकाली दल का लंबे समय तक साथ रहा है। साल 1996 में अकाली दल और भाजपा साथ आए और दोनो पार्टियों ने कई बार साथ चुनाव लड़ा।

साल 2020 में कृषि कानून के विरोध में अकाली दल भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए से अलग हो गया था।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले दोनों पार्टियों के साथ आने की बातें गर्म थीं, लेकिन ख़बरों के मुताबिक सीट शेयरिंग को लेकर दोनों पक्षों में सहमति नहीं हो सकी।

पंजाब विश्वविद्यालय में राजनीति शास्त्र के पूर्व प्रोफ़ेसर खालिद मोहम्मद के मुताबिक अगर किसानों का आंदोलन नहीं होता तो पंजाब में दोनो पार्टियां लोकसभा चुनाव साथ लड़तीं।

वो कहते हैं, "उन्हें (अकाली दल को) पता था कि अगर वो भाजपा के साथ अलायंस में रहते हैं, तो उनका हश्र भी वही होने वाला है जो शिवसेना का हुआ है। अगर अलायंस इस वक्त होता भी, तो भाजपा, अकाली दल से ज़्यादा सीटें मांगती।"

खालिद मोहम्मद कहते हैं, "भाजपा जूनियर पार्टनर बनने के लिए तैयार नहीं थी। उन्हें पता है कि अकाली दल की स्थिति कमज़ोर है और वो भाजपा के लिए शर्तें तय नहीं कर सकती।"

उनके मुताबिक, "अकाली दल का कोर वोट ग्रामीण किसान हैं और वो इस वक्त भाजपा के बिल्कुल खिलाफ़ है। तो अगर किसी भी तरह से अलायंस हो जाता तो अकाली दल बिल्कुल ही खत्म हो जाता।"

प्रोफेसर खालिद कहते हैं, "पहले ही उनका कोर वोट बैंक बेअदबी आदि विषयों को लेकर उनसे खुश नहीं है। अगर अकाली दल भाजपा के साथ जाती तो वो दरार और बढ़ जाती। अकाली अपनी पुरानी ज़मीन दोबारा हासिल करना चाहती है।"

पिछले चुनाव में अकाली दल का प्रदर्शन

पंजाब में 13 लोकसभा सीटें हैं और पिछले कुछ साल अकाली दल के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं।

साल 2017 और 2022 विधानसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के अलावा 2019 लोकसभा चुनाव में पार्टी को दो सीटें मिली थीं और वो लगातार अपनी पुरानी ज़मीन हासिल करने की कोशिश कर रही है।

हाल ही में सुखबीर बादल ने पूर्व में बेअदबी की घटनाओं के लिए माफ़ी मांगी थी कि "हम अपने कार्यकाल के बचे हुए दिनों में दोषियों को पकड़ नहीं पाए और उन्हें सज़ा नहीं दे पाए।"

प्रकाश सिंह बादल की मृत्यु भी पार्टी के लिए बड़ा झटका थी।

इसके अलावा डेरा सच्चा सौदा के साथ अकाली दल की कथित नज़दीकियों की वजह से भी पार्टी को कुछ तबकों में राजनीतिक नुकसान पहुंचने की बात की जाती है।

पंजाब में वरिष्ठ पत्रकार जसपाल सिंह सिद्धू के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी के बयान को पंजाब में "स्थिति को सांप्रदायिक रंग" देने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

वो कहते हैं, "सुखबीर सिंह बादल की प्रतिक्रिया पर लोग खुश हैं। इससे पार्टी को फ़ायदा होगा।

पार्टी में लोग चाहते हैं कि सुखबीर बादल, प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ़ प्रतिक्रिया दें। इसी दबाव के कारण अकाली दल ने भाजपा के साथ चुनावी समझौता नहीं किया।"

जसपाल सिंह कहते हैं, "किसान यूनियनों की वजह से पंजाब में भाजपा के खिलाफ़ माहौल है। सुखबीर बादल ने जितनी भी मीटिंग की, सभी में उनसे कहा गया कि आप भाजपा के साथ मत जाओ। तभी पार्टी आगे बढ़ पाएगी, नहीं तो आप भाजपा के साए तले रहेंगे। इसलिए दबाव की वजह से उन्होंने भाजपा के साथ अलायंस नहीं किया।" - **साभार, बीबीसी**

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु कब जीतना शुरू करेगी?

कौन कह रहा है कि बेंगलुरु में सूखा पड़ा है, आरसीबी फैंस की आंखें देखो, पानी ही पानी है।।।

आरसीबी दरअसल बेंगलुरु का जल संकट दूर करने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि उसकी हर होम गेम में फैंस रोते हैं, जिससे शहर का जलस्तर बढ़ जाता है। टीम की सोच कमाल की है...

सोशल मीडिया पर मिलने वाले ये दोनों लतीफ़े यूं तो गुदगुदाने का माद्दा रखते हैं, लेकिन अगर आप बेंगलुरु में रहते हैं या आईपीएल देखते समय रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फैन होने का दम भरते हैं तो ये दिल पर करारी चोट करने वाले बेरहम तंज़ हैं। भारत में आईटी कैपिटल और टेक सिटी के तमग़ों से नवाज़े गए बेंगलुरु ने हाल में वो दौर देखा जब नल सूख गए और प्यासे लोगों की आंखों में पानी आ गया। जिस शहर में एक छोटा सा मकान करोड़ों में मिलता है, वहां पानी मयस्सर नहीं था। इन दिनों जारी लोकसभा चुनावों के प्रचार में भी 'टेक सिटी को टैंकर सिटी' बनाने का आरोप खूब उछल रहा है। पानी पर चुनाव लड़ा जा रहा है।

पानी की तरह एक और अहम चीज़ है, जिसके लिए बेंगलुरु अरसे से तरस रहा है। वो है एक अदद जीत। जीत आईपीएल की। इंडियन प्रीमियर लीग के सबसे मज़बूत ब्रांड में गिने जाने वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल में कामयाब क्यों नहीं है, ये सवाल इतना बड़ा है कि कई सारे जवाब मिलकर भी इसका मसला हल नहीं कर पाते। आज बात इसी की।

आरसीबी की कुंडली

राहुल द्रविड़, केविन पीटरसन, अनिल कुंबले, डेनियल विटोरी, शेन वॉटसन जैसे बड़े नामों से जुड़ी इस टीम की विरासत किसी ज़माने में विराट कोहली-क्रिस गेल-एबी डीविलियर्स वाली तिकड़ी के लिए जानी गई तो कभी फेफ डुप्लेसी-कोहली-ग्लेन मैक्सवेल की तिकड़ी के कारनामों पर भरोसा था। मगर अफ़सोस। ये हो ना सका। आज से पहले बात बीते कल की, जहां से ये कहानी शुरू हुई थी।

ये बात साल 2007 की है जब दुनिया के कई हिस्सों में क्रिकेट को 20-20 ओवर में खेला जाने लगा था, और स्टेडियम में भीड़ बढ़ती जा रही थी। इसी साल का सितंबर महीना आते-आते भारत में भी कुछ ऐसा ही हुआ।

बीसीसीआई ने इंडियन प्रीमियर लीग बनाने का एलान किया और शराब से लेकर विमान कंपनी तक दख़ल रखने वाले विजय माल्या ने क़रीब 12 करोड़ डॉलर की भारी-भरकम रकम में बैंगलोर फ्रेंचाइज़ी ख़रीदी थी।

प्रचण्ड समय

आज की बात करें तो आरसीबी, युनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) की टीम है, जो डियाजियो ग्रुप की कंपनी है।

यूएसएल दावा करती है कि वो बेवरेज अल्कोहल में ग्लोबल लीडर है और उसके पास स्पिरिट्स, बीयर और वाइन कैटेगरी में कई सारे ब्रांड हैं। कंपनी का कहना है कि स्कॉच व्हिस्की, आईएमएफ़एल व्हिस्की, ब्रांडी, रम, वोदका, जिन और वाइन के 12 करोड़ केस बेचती है। साथ ही वो जॉनी वॉकर, वैट 69, ब्लैक एंड व्हाइट, स्मिरनॉफ़ जैसे डियाजियो के दिग्गज ब्रांड को इम्पोर्ट, मैन्यूफैक्चर और सेल करती है। कंपनी के पोर्टफोलियो में 18 ब्रांड हैं, जो हर साल लाखों केस बेचते हैं। चार ब्रांड ऐसे हैं जो सालाना एक करोड़ से ज़्यादा केस बेचने में कामयाब है। कंपनी के चेयरमैन का नाम प्रथमेश मिश्रा है।

टीम की मालिक कंपनी से अब चलते हैं टीम की तरफ़। आरसीबी डगआउट की बात करें तो इसकी कप्तानी दक्षिण अफ्रीका के फेफ़ डु प्लेसी के पास है और इसके हेड कोच ज़िम्बाब्वे से आने वाले एंडी फ्लावर हैं। बॉलिंग कोच की ज़िम्मेदारी ऑस्ट्रेलियाई एडम ग्रिफ़िथ के हाथ में हैं, जबकि श्रीधरण श्रीराम बैटिंग और स्पिन बॉलिंग कोच हैं।

कंपनी और टीम की कुंडली के बाद अब बात क्रिकेट फ़ील्ड पर परफ़ॉर्मेंस की। ये टीम साल 2009, साल 2011 और साल 2016 में फाइनल तक तो पहुंची, लेकिन विजेता नहीं बन सकी। इन तीन सीज़न को कुछ हद तक कामयाबी मान लिया जाए तो बाकी के साल बेहद ख़राब रहे। ख़ासतौर से 2008, 2012, 2013, 2014, 2017, 2018, 2019, 2023 जैसे साल, जब सितारों से सजी ये टीम लीग स्टेज पर ही दम तोड़ गई।

2008 में टीम ने पहला आईपीएल खेला। 16 साल गुज़र चुके हैं, आज तक आरसीबी को ट्रॉफ़ी चूमने का मौक़ा नहीं मिला। 17वें साल में भी ये टीम, जीत से ज़्यादा हार का स्वाद चख रही है और पॉइंट्स टेबल में गर्त छू रही है। आठ में से सात मैच हारने के बाद उसके पास सिर्फ दो अंक हैं

आरसीबी, आईपीएल में जीत क्यों नहीं पाती? इसका सीधा, लेकिन तल्ख़ जवाब है: क्योंकि वो अपनी गलतियों से सीखने को तैयार नहीं है. जानकार कहते हैं कि आरसीबी की सबसे बड़ी गलती है कि वो सिर्फ बल्लेबाज़ों के दम पर जीतना चाहती है, जो मुमकिन नहीं है। - **साभार, बीबीसी**

नेतज़ाह यहूदा: इसराइली सेना की वो बटालियन जिस पर अमेरिका लगा सकता है प्रतिबंध

इसराइली सेना की इस यूनिट के सैनिक धार्मिक हिदायतों के अंतर्गत काम करते हैं।

इसराइली सेना की यूनिट नेतज़ाह यहूदा पर प्रतिबंध की अपुष्ट ख़बरों के बाद इसराइली नेताओं ने ग़ुस्से का सख़्त इज़हार किया है।

एग्सियोम न्यूज़ वेबसाइट के मुताबिक अमेरिका ये क़दम नेतज़ाह यहूदा के मानवाधिकारों के उल्लंघन की ख़बरों के बाद उठा रहा है।

अगर वाकई इस यूनिट पर प्रतिबंध लगता है तो ये पहली बार होगा जब अमेरिकी प्रशासन इसराइली सेना की किसी यूनिट को प्रतिबंधित करेगा।

रविवार को इसराइली सेना ने कहा था कि उन्हें नेतज़ाह यहूदा पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

सेना ने अपने बयान में कहा था कि यहूदा एक लड़ाकू यूनिट है जो अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत काम करती है।

सेना ने कहा है कि अगर इस बारे में कोई निर्णय लिया जाता है तो वे उसकी विवेचना करेंगे और किसी भी प्रकार की असाधारण घटना की जांच की जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक अगर अमेरिकी विदेश विभाग नेतज़ाह यहूदा पर पाबंदी लगाता है तो इस यूनिट को अमेरिका से किसी भी प्रकार की सैन्य मदद या ट्रेनिंग नहीं दी जाएगी। बीते कुछ महीनों में इसराइल में हारेदी यहूदियों को सेना की नौकरी से रियायत पर ग़ुस्सा बढ़ा है।

इसराइल में लगभग सभी नागरिकों को सेना में नौकरी करनी होती है। हर पुरुष को कम से कम तीन वर्ष और महिला को दो वर्ष नौकरी करना अनिवार्य है।

इसराइल के पब्लिक ब्रॉडकास्ट कॉरपोरेशन ने इसराइली अधिकारियों के हवाले से लिखा है कि अमेरिका ने इस यूनिट के फ़लस्तीनियों पर हमलों के बारे में कई बार जानकारी मांगी है।

'बेवकूफ़ी की इंतहा'

लेकिन इन ख़बरों पर इसराइली प्रधानमंत्री ने ग़ुस्से से भरा जवाब दिया है। बिन्यामिन नेतन्याहू ने संभावित प्रतिबंधों को बेवकूफ़ी की इंतहा और नैतिकता का रसातल बताया है। इसराइल के वॉर कैबिनेट मंत्री बेनी गांट्ज़ ने कहा है कि यूनिट पर प्रतिबंध एक ख़तरनाक मिसाल क़ायम करेगा।

अमेरिकी विदेश मंत्री से बातचीत में गांट्ज़ ने अमेरिकी से अपने संभावित निर्णय पर पुनर्विचार करने को कहा है।

गांट्ज़ ने कहा है कि नेतज़ाह यहूदा पर युद्ध के वक़्त प्रतिबंध इसराइल को नुकसान पहुँचाएगा।

उन्होंने कहा, "प्रतिबंध लगाने का कोई औचित्य नहीं है क्योंकि इसराइली सेना अंतरराष्ट्रीय क़ानून के तहत काम करती है।"

इसराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इत्मार बेन-ग्वीर ने कहा है कि अगर अमेरिका प्रतिबंध लगाता है तो उन्हें इसराइल के बैंकों के ज़रिए फ़लस्तीनी प्रशासन को जाने वाले फंड्स रोक देने चाहिए।

उन्होंने प्रधानमंत्री नेतन्याहू से फ़लस्तीनी बैंकों पर सख़्त पाबंदियां लगाने का सुझाव दिया है।

इसराइली सियासतदानों की सख़्त प्रतिक्रियाएं

बेन-ग्वीर ने कहा है कि किसी भी प्रकार के प्रतिबंध इसराइल के दुश्मनों के हित में होंगे।

वॉर कैबिनेट मंत्री गादी आइज़नकोट ने संभावित प्रतिबंधों को मौलिक रूप से ग़लत बताते हुए कहा है कि वे इसे रोकने का पूरा प्रयास करेंगे।

इसराइल के वित्त मंत्री बेज़ालेल स्मोत्रिक ने इसे 'बिल्कुल पागलपन' बताया है।

इसराइल में विपक्ष के नेता येर लैपिड ने एक टिप्पणी में कहा कि सरकार की अवैध नीति और राजनीतिक विफलता का सबसे ज्यादा असर इजरायली सेना पर पड़ता है। लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि इसराइली सेना पर पाबंदी ग़लत क़दम होगा जिसे ख़ारिज किया जाना चाहिए।

इसराइल की लेबर पार्टी के नेता मेराव मिखाइल ने नेतज़ाह यहूदा ब्रिगेड को भंग किए जाने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि इस यूनिट के हिंसक और भ्रष्ट व्यवहार के क़िस्से वर्षों से सामने आते रहे हैं।

नेतज़ाह यहूदा ब्रिगेड में कौन भर्ती होता है?

रब्बी यिटज़ाक योसेफ़ के अनुसार कई हारेदी यहूदी इसराइली सेना में शामिल होने से इंकार कर देते हैं क्योंकि वे अपना वक़्त धार्मिक किताब तोराह को पढ़ने में बिताना चाहते हैं। तोराह हिब्रू बाइबल की पहली पांच पुस्तकों को कहते हैं।

हालांकि सभी हारेदी यहूदी युवक धार्मिक कॉलेजों में नहीं पढ़ते। इनमें कुछ शर्तों के साथ सेना में भर्ती हो जाते हैं।

नहाल हादेरी की शुरुआत 1999 में बतौर एनजीओ हुई थी। इसके सदस्य हारेदी यहूदियों के रब्बी होते हैं।

इस एनजीओ ने रक्षा मंत्रालय की मदद से कई हारेदी युवाओं को सेना में भर्ती करवाया।

इस सहयोग से इसराइली सेना में नेतज़ाह यहूदा ब्रिगेड का गठन हुआ। इसमें हज़ारों हारेदी सैनिक हैं।

प्रचण्ड समय

नहाल हारेदी के मुताबिक हादेरी युवा अपनी जीवनशैली और धार्मिक सिद्धांतों का पालन करते हुए हारेदी यहूदी इसराइल सेना में प्रतिष्ठित पदों पर सेवाएं दे रहे हैं।

कहां तैनात है यूनिट

वर्ष 1999 में 30 हारेदी युवाओं की पहली यूनिट तैनात की गई थी। इसे नहाल हारेदी कान नाम दिया गया था। बाद में इसे नेतज़ाह यहूदा या बटालियन 97 का नाम दिया गया। इस यूनिट की पहली तैनाती रामाल्लाह और जेनिन में हुई थी।

वर्ष 2019 में एक हिब्रू अख़बार ने लिखा था कि सेना ने इस यूनिट को रामाल्लाह से हटाकर जेनिन में तैनात किया है।

तब सेना ने कहा था कि यूनिट को ऑपरेशनल कारणों से हटाया जा रहा है। महिला सैनिकों से दूरी बनाकर रखते हैं

दिसंबर 2022 में इसराइल ने नेतज़ाह यहूदा का तबादला वेस्ट बैंक में कर दिया था।

सेना ने इस बात से इंकार किया है कि ये क़दम यहूदा के व्यवहार की वजह से उठाया गया था।

उसके बाद से ही ये बटालियन उत्तर में तैनात है।

इसराइली मीडिया के अनुसार वर्ष 2024 की शुरुआत में इस यूनिट ने ग़ज़ा की जंग में हिस्सा लेना शुरू किया।

पूर्व इसराइली आर्मी कमांडर अविव कोचावी कहते हैं कि इस यूनिट को लेबनान, सीरिया और ग़ज़ा में भी तैनात किया जा सकता है।

इस वक्त नेतज़ाह यहूदा के करीब 1000 सैनिक या युद्ध लड़ रहे हैं या ट्रेनिंग ले रहे हैं।

इस यूनिट के सैनिक कुल दो साल आठ महीने की नौकरी करते हैं।

प्रचण्ड समय

टाइम्स ऑफ़ इसराइल के अनुसार ये सैनिक महिला सैनिकों से दूरी बनाकर रखते हैं और उन्हें प्रार्थना के लिए अतिरिक्त वक़्त दिया जाता है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार लीएही क़ानून के तहत उन विदेशी सरकारों को अमेरिकी मदद पर रोक लगती है जिन्होंने मानवाधिकारों का उल्लंघन किया हो।

मदद पर प्रतिबंध में अमेरिकी रक्षा मंत्रालय द्वारा दी जाने वाली ट्रेनिंग भी शामिल होती है। अगर विदेशी सरकार मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वालों को सज़ा देती है तो मदद बहाल की जा सकती है।

लीएही एक्ट उन विदेशी सैन्य यूनिटों पर लागू होता है जिन के बारे में मानवाधिकारों के उल्लंघन की पुख़्ता जानकारी होती है।

अमेरिकी सरकार यातना, हत्या, जबरन ग़ायब करने और कानून की आड़ में बलात्कार करने को मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन मानती है। - **साभार, बीबीसी**

ईवीएम से भी पहले यह सूरत?

कमलेश भारतीय

अभी तो विपक्ष को ईवीएम को कोसने का मौका ही नहीं मिला कि गुजरात के सूरत में जो 'निर्विरोध चुनाव' हुआ और जिसे लेकर बहुत तरह की खुशियां मनाई गयीं, जो स्वाभाविक है । इसके बावजूद जो बातें छन छन कर बाहर आई हैं, उनसे इस निर्विरोध चुनाव पर शंकायें व्यक्त की जाने लगी हैं, सवाल उठने लगे हैं । ऐसा कहा जा रहा है कि सूरत से कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभाणी भाजपा से जा मिले और 'ऑपरेशन निर्विरोध' में पूरा सहयोग किया । कांग्रेस को कानों कान खबर न हुई कि हमारा प्रत्याशी क्या गुल खिलाने जा रहा है ! कांग्रेस की गुजरात इकाई को नीलेश ने अंधेरे में रखा, यहां तक कि डम्मी प्रत्याशी को भी अपने साथ मिला लिया । इससे भी बढ़कर इस 'ऑपरेशन निर्विरोध' की मजेदार बात यह सामने आई है कि कांग्रेस प्रत्याशी व डम्मी प्रत्याशी को साधने के बाद बसपा प्रत्याशी प्यारे लाल भारती की खोजबीन करने में क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बड़ोदरा के किसी फॉर्म हाउस से लोकेशन के आधार पर ढूंढ कर सूरत में लाया गया और फिर फाइव स्टार होटल में ऐसा क्या जादू किया कि वे भी अपने नामांकन पत्र वापस लेने को खुशी खुशी तैयार हो गये । फिर बाकी बचे चार निर्दलीय प्रत्याशियों को भी आमने सामने बिठाया गया और वे भी हंसते खेलते अपने नामांकन वापस ले गये ! और इस तरह यह 'ऑपरेशन निर्विरोध' सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और भाजपा अपनी लोकप्रियता साबित करने में जुट गयी । क्या अब विपक्ष ईवीएम को कोई दोष दे सकता है? ईवीएम तक आने की नौबत ही नहीं आई, भाई ! वही न मियां बीबी राजी, तो क्या करेगा काजी ? भाजपा नेता विपक्ष पर सही तंज कसते हैं कि आपसे अपना घर ही संभाला नहीं जा रहा तो हमें दोष किसलिए मढ़ रहे हो ? जब आपका प्रत्याशी ही आपके बस में नहीं, तो हम क्या कर सकते हैं ? एक बार तो कांग्रेस ने इन स्थितियों से बचने के लिए पश्चिमी बंगाल के विधानसभा चुनाव में अपने प्रत्याशियों से बांड भी भरवाये थे और अब चूक गयी ! बांड भरवाया होता तो यह नौबत न आती लेकिन बांड भरवाने की नौबत क्यों आये ? क्या पार्टी के प्रति कोई समर्पण, विचारधारा के प्रति कोई श्रद्धा या फिर जनता के आगे जवाबदेही ? कुछ भी तो नहीं ! ये नये नये खेल हैं विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के ! यहां सविधान या फिर निर्वाचन आयोग भी क्या कर लेगा ? क्या बिगाड़ लेगा, जैसे कहते हैं हरियाणा में कि शनि क्या पुंजर पाड़ लेगा?

प्रचण्ड समय

इतना ही कह सकते हैं :

यह क्या जगह है दोस्तो
यह कौन सा दयार है
हदे निगाह तक यहां
गुबार ही गुबार है !

यह गुबार कौन साफ करेगा, यह तो बढ़ती ही जा रही है और नेताओं की आत्मा मरती ही जा रही है, भाई !

-पूर्व उपाध्यक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी।

9416047075

भगवान महावीर के प्रमुख सिद्धांत क्या हैं, बहुत कम लोग जानते हैं इसके बारे में

महावीर जयंती 2024 में 21 अप्रैल को है। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को हुआ था। हर साल इसी तिथि को महावीर जयंती मनाई जाती है। भगवान महावीर ने अपने जीवनकाल में कई ऐसी शिक्षाएं दी हैं जो आज भी प्रासंगिक हैं। इनकी प्रमुख शिक्षाओं और सिद्धांतों के बारे में आज हम विस्तार से जानेंगे।

भगवान महावीर के प्रमुख सिद्धांत

प्रचण्ड समय

भगवान महावीर के प्रमुख सिद्धांतों में अहिंसा, सत्य, अस्तेयस, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह हैं। अहिंसा यानि हर स्थिति में किसी पर भी हिंसा न करना। सत्य यानि किसी भी स्थिति में झूठ का साथ न देना, सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ना। अस्तेय यानि संयम से रहना। ब्रह्मचर्य यानि भोग-विलास से दूरी बनाना और इंद्रियों को अपने वश में रखना। अपरिग्रह यानि भोग से जुड़ी वस्तुओं का त्याग करना। उनके इन सिद्धांतों के बारे में कई लोग जानते हैं, लेकिन इन सिद्धांतों के अलावा भी भगवान महावीर ने कई और शिक्षाएं दी हैं, इनमें से कुछ नीचे दी गयी हैं।

भगवान महावीर के ये सिद्धांत हैं बेहद खास

भगवान महावीर की कुछ अन्य शिक्षाएं भी हैं जिनको अपनाकर अच्छे बदलाव जीवन में लाए जा सकते हैं।

अप्पाणमेव जुज्झाहि, किं ते जुज्झेण बज्झओ।
अप्पाणमेव अप्पाणं, जइत्ता, सुहमेह ए।।

अर्थ- भगवान महावीर ने कहा है कि, हमें अपनी आत्मा के साथ ही युद्ध करना चाहिए। बाहरी शत्रुओं के साथ लड़कर क्या होगा? आत्मा द्वारा आत्मा को जीतने से ही सत्य सुख की प्राप्ति होती है।

अप्पा कत्ता विकत्ता य, दुक्खाण य सुहाणय।
अप्पा मित्तममित्तं च, दुप्पट्ठिय सुपट्ठिओ।।

अर्थ- आत्मा खुद दुख और सुख को जन्म देती और नाश भी करती है। जो आत्मा सत्यमार्ग पर चलती है वो मित्र की तरह है और जो कुमार्ग पर चलती है वो शत्रु की तरह।

धम्मो शुद्धस्स चिट्ठई।

अर्थ- धर्म शुद्धात्मा, शुद्ध मन में ही निवास करता है। इसलिए जो भी व्यक्ति धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहता है उसको सबसे पहले अपने मन में शुद्धता लानी चाहिए।

खणं जाणाहि पंडिए।

अर्थ- जो क्षण यानि हर पल के महत्व को जानता है, हर पल को लेकर जो जागरुक है वो जीवन में सफलता के मार्ग पर अग्रसर होता है। यानि इन शब्दों के जरिये महावीर जी हमें एकाग्रता के महत्व को समझा रहे हैं।

आज भी अगर कोई व्यक्ति भगवान महावीर की इन शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाएं तो क्रांति घटित हो सकती है। जीवन का अर्थ हमें समझ में आ सकता है। महावीर जयंती के शुभ अवसर पर हर किसी को इन सिद्धांतों पर आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए।

चांदी की पालकी, सोने का ब्रेसलेट, राजकीय अवकाश... वो नवाब जिसने कुत्ते की शादी में खर्च किए थे 2 करोड़ रुपए

देश के ज्यादातर नवाबों को उनके रहन-सहन और अजब-गजब शौक के लिए भी जाना गया। अपने शौक के लिए पैसे को पानी की तरह बहाना उनके लिए कोई बड़ी बात नहीं थी। ऐसे ही एक नवाब थे मोहम्मद महाबत खानजी तृतीय। जूनागढ़ रियासत के आखिरी नवाब को जानवरों से खास लगाव था। उन्होंने 800 से ज्यादा कुत्ते पाल रखे थे। वो कुत्तों से कितना प्रेम करते थे इसका उदाहरण भी है।

1898 में जन्मे महाबत खानजी के पास रोशनआरा नाम का नाम कुत्ता था। जिसकी शादी कि किस्से दुनियाभर के कई देशों में चर्चा का विषय बने थे। कई नामी लोग उस शादी में पहुंचे थे।

शादी में 2 करोड़ रुपए खर्च हुए

चर्चा की वजह थी 2 करोड़ रुपए की राशि। रोशनआरा की शादी बॉबी नाम के एक कुत्ते से कराई गई थी। 1922 में हुई इस शादी में 2 करोड़ रुपए का खर्च आया था। यह उस दौर की बात है जब कुछ हजार रुपए में भी शादियां धूमधाम से हो जाती थीं।

यह शादी इसलिए भी चर्चा में रही क्योंकि उस दिन रिसासत में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि रोशनआरा को चांदी की पालकी में बैठाकर ले जाया गया था। वहीं बॉबी की एंट्री कई कुत्तों के साथ हुई थी, जो बाकायदा सोने ब्रेसलेट पहने हुए थे।

वॉयसराय को न्यौता

उस दौर में इस शादी का रुतबा क्या था यह बात से समझा जा सकता है कि आयोजन में भारत के तत्कालीन वॉयसराय समेत देश के कई नामी लोगों को भी आमंत्रित किया गया था। हालांकि, वो इस आयोजन में शामिल नहीं हुए थे। मोहम्मद महाबत खानजी तृतीय के दौर में कुत्तों के लिए बकायदा अलग-अलग कमरे थे। विशेष मौकों पर उन्हें खास तरह के कपड़े पहनाए जाते थे।

गिर के शेरों के लिए सेंक्चुअरी बनवाई

मोहम्मद महाबत का जानवरों के प्रति प्रेम जगजाहिर था। उन्होंने कुत्तों की खास देखभाल की व्यवस्था के आदेश देने के साथ गिर के शेरों को संरक्षित करने का भी काम किया।उस दौर के कई नवाब शेरों का शिकार करते थे। उन्हें अपने मनोरंजन के लिए इस्तेमाल करते थे। नतीजा, शेरों की संख्या में कमी आने लगी थी। सबसे ज्यादा खतरा गिर के जंगलों में पाए जाने वाले प्रसिद्ध एशियाई शेरों पर मंडरा रहा था। उस दौर में यह जंगल जूनागढ़ रियासत में ही आता था। इसे ध्यान में रखते हुए मोहम्मद महाबत खानजी तृतीय ने इन्हें संरक्षित करने के लिए कई कदम उठाए। उन्होंने शेरों की सुरक्षा के लिए गिर सेंक्चुअरी की नींव रखी। गिर की गायों को बचाने के लिए पहल की।

1947 में आजादी के बाद भारत और पाकिस्तान का बंटवारा हुआ। इस बंटवारे के बाद जूनागढ़ रियासत को भारत में शामिल किया गया। जूनागढ़ रियासत भारत के हिस्से में आने के बाद मोहम्मद महाबत खानजी तृतीय भारत को छोड़कर पाकिस्तान चले गए। इस दौर में भी उन्हें अपने कुत्तों से इतना लगाव था कि बेगम और बच्चों को यहीं छोड़ दिया था। वो अपने कुत्तों को लेकर पाकिस्तान चले गए थे।

क्या रात में पीपल के पेड़ पर होता है आत्माओं का वास? जानें इसके पीछे की सच्चाई

शास्त्रों में पीपल के वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माना गया है। इसलिए हिन्दू धर्म में पीपल के पेड़ की पूजा का बहुत अधिक महत्व है। क्योंकि पूजा संस्कार पीपल के पेड़ के नीचे ही कराए जाते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार पीपल के पेड़ के नीचे हर शनिवार को सरसों के तेल का दीपक जलाने से जीवन में सुख और शान्ति का वास भी बना रहता है।

लेकिन फिर बड़े बुर्जुगों द्वारा ये क्यों कहा जाता है कि पीपल के पेड़ पर रात में बुरी आत्माओं का वास होता है। रात में पीपल के पेड़ को नहीं छूना चाहिए। इस तरह की बहुत सी बातें आपने सुनी होंगी। लेकिन इन सब बातों का आखिर वास्तविक आधार क्या है? क्या ये वाकई सच है या फिर सुनी सुनाई बातें हैं? आइए इसके बारे में जानते हैं।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अनुसार

रात के समय पीपल के पेड़ या बाकी पेड़ों के नीचे सोने से इसलिए मना किया जाता है क्योंकि रात के समय पेड़ हवा में कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं। जो मानव शरीर के लिए सही नहीं होती है, ज्यादा देर कार्बन डाइऑक्साइड लेने की वजह से शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा की कमी हो सकती है। इसलिए बोला जाता है कि रात में पीपल के पेड़ के पास नहीं जाना चाहिए।

प्रचण्ड समय

शास्त्रों के अनुसार

हिन्दू धर्म में पीपल के पेड़ को बहुत ही पूजनीय माना गया है। मान्यता के अनुसार, पीपल के वृक्ष के अंदर ब्रह्मा, विष्णु, और महेश यानी भगवान शिव विराजमान होते हैं। पुराणों में बताया गया है कि पीपल की जड़ में विष्णु भगवान, तनों में केशव, और पत्तों में सभी देवताओं के वास माना जाता है। इसलिए पीपल के पेड़ के नीचे रात में जाना या सोना शास्त्रों के हिसाब से शुभ नहीं माना जाता है, क्योंकि पीपल के पेड़ की पूजा की जाती है।

क्या पीपल के पेड़ पर आत्माएं रहती हैं?

शास्त्रों के अनुसार, ये सब बाते केवल काल्पनिक हैं कि पीपल के पेड़ पर आत्माएं रहती हैं। शास्त्रों में पीपल के पेड़ को दैवीय पौधा माना गया है। इसलिए शास्त्र इस बात को सच नहीं मानते कि पीपल के पेड़ पर आत्मा का वास होता है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अनुसार रात के समय पीपल के पेड़ के पास नहीं जाना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ..

हरियाणा में भाजपा राज में गरीब,बेरोजगार और कर्ज बढ़े,सकल घरेलू उत्पाद घटा_भूपेंद्र हुड्डा

प्रचण्ड समय

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मंगलवार को कहा कि आधी लचर, आधी लाचार और पूरी तरह बेकार है प्रदेश की बीजेपी सरकार। हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में बीजेपी को वोट मांगने की बजाय, जनता से माफी मांगनी चाहिए। मंचों से हवा-हवाई भाषणबाजी करने की बजाय खुद के सरकारी आंकड़े देखने चाहिए। आंकड़े बताते हैं कि बीजेपी ने एक ऐसे प्रदेश को गरीबी में नंबर वन बना दिया,जो 2014 से पहले देश का सबसे समृद्ध राज्य था।

खुद बीजेपी द्वारा बनाई गई फैमिली आईडी का डाटा बताता है कि हरियाणा की 63फीसदी आबादी गरीबी के दलदल में फंस चुकी है। हरियाणा की 2.86 करोड़ आबादी में से 1.8 करोड़ यानी लगभग 45 लाख परिवार गरीबी रेखा से नीचे पहुंच चुके हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या बीजेपी हरियाणा के लोगों को गरीब बनाने की उपलब्धि लेकर चुनाव में जनता के बीच जा रही है? क्या बीजेपी भविष्य में प्रदेश को और गर्त में उतारने का वादा लेकर जनता से वोट मांग रही है?

हुड्डा ने कहा कि सिर्फ गरीबी ही नहीं, खुद केंद्र सरकार द्वारा जारी बेरोजगारी के आंकड़े भी प्रदेश सरकार की पोल खोलते हैं। केंद्र सरकार का डाटा बताता है कि बीजेपी कार्यकाल के दौरान हरियाणा में कांग्रेस सरकार के मुकाबले बेरोजगारी तीन गुना बढ़ गई है। अलग-अलग एजेंसियों के आंकड़े बार-बार यह खुलासा कर चुके हैं कि हरियाणा बेरोजगारी में नंबर वन है।

बेकाबू अपराध की बात करें तो खुद केंद्र सरकार का सामाजिक प्रगति सूचकांक हरियाणा को देश का सबसे असुरक्षित राज्य बताता है। सवाल खड़ा होता है कि क्या बीजेपी जनता की जान-माल जोखिम में डालने की उपलब्धि लेकर वोट मांग रही है?

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भी बीजेपी की उपलब्धि जीरो बटे सन्नाटा रही है। साल 2014-15 में हरियाणा की जीएसडीपी साढ़े चार लाख करोड़ रुपए थी और आंतरिक राज्य ऋण 70,931 करोड़ था। जबकि साल 2023-24 में में जीएसडीपी लगभग दोगुनी यानी 10 लाख करोड़ तक पहुंची है। लेकिन तमाम कर्ज और देनदारियों को जोड़ा जाए तो कर्ज का आंकड़ा साढ़े 7 गुणा बढ़कर लगभग साढ़े चार लाख करोड़ हो चुका है। यानी बीजेपी कार्यकाल के दौरान प्रदेश की जीडीपी बमुश्किल दोगुना बढ़ी और कर्ज उसके मुकाबले कई गुना बढ़ा।

हुड्डा ने कहा कि बीजेपी के पास किसी भी क्षेत्र में गिनवाने लायक कोई काम नहीं है। बड़े-बड़े दावे करने वाली बीजेपी बताए कि उसके कामों का जनता को कोई लाभ क्यों नहीं हो रहा? हरियाणा में गरीबी, बेरोजगारी, अपराध और कर्जा कम होने की बजाए बढ़ क्यों रहे हैं?

कांग्रेस की मंत्रियों की फौज साल की एक उपलब्धि गिनाए : भाजपा

प्रचण्ड समय

सोलन . भाजपा प्रदेश प्रवक्ता बलवीर वर्मा एवं चेतन बरागटा ने संयुक्त बयान में प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर व स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल की प्रैस वार्ता का जवाब देते हुए कहा कि डेढ़ साल की एक भी उपलब्धि मंत्रियों की फौज ने सोलन की प्रैस वार्ता में नहीं सुनाई और कुछ किया है तो अपने काम पर वोट मांगने की हिम्मत रखो।

भाजपा नेताओं ने कहा कि शिक्षा मंत्री बताएं कि उन्होनें हिमाचल प्रदेश के 500 स्कूल क्यों बंद किए ? स्वास्थ्य मंत्री बताएं कि उन्होनें खुले प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अस्पताल, आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केन्द्र, उप स्वास्थ्य केन्द्र कांग्रेस की सरकार बनने के तुरंत बाद क्यों बंद किए ? स्वास्थ्य मंत्री बताएं कि डॉक्टर्स को मिलने वाला एन0पी0ए0 जो पिछले 60 सालों से मिल रहा था क्यों बंद किया, कोविड के दौरान अपनी जान जोखिम पर रखकर सेवा करने वाले कोविड वॉरियर्स को मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ने नौकरी से क्यों निकाला ? स्वास्थ्य मंत्री बताएं कि मैडिकल कॉलेज नाहन के लिए जो 265 करोड़ रू0 केन्द्र की भाजपा सरकार ने दिए उसके काम को क्यों बंद किया ? मातृ एवं शिशु अस्पतालों के लिए, कैंसर के अस्पतालों के निर्माण के लिए 2000 करोड़ रू0 केन्द्र की सरकार ने प्रदेश को दिए, वह काम क्यों बंद पड़े हैं ?

भाजपा प्रवक्ताओं ने पूछा कि मंत्रियों की फौज ने सोलन में प्रैस वार्ता की और यह क्यों नहीं बताया कि बद्दी बरोटीवाला में डेढ़ साल से 10 बार आगजनी, डकैती, खून, बलात्कार और दंगों के मामले क्यों बढ़े ? भाजपा प्रवक्ताओं ने कहा कि शिमला संसदीय क्षेत्र को नरक बनाने का काम मुख्यमंत्री व मंत्रियों की फौज ने किया है, इन्हें वोट मांगने का कोई हक नहीं है।

राज्यपाल, आचार्य लोकेश ने हनुमान जन्मोत्सव समारोह का उदघाटन किया

प्रचण्ड समय

शिमला . आस्था के केन्द्र मेहंदीपुर बालाजी धाम में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित समारोह 'अपने अपने राम' का राजस्थान के राज्यपाल माननीय श्री कालराज मिश्र, विश्व विख्यात जैन आचार्य लोकेश, कवि डा. कुमार विश्वास, धाम के प्रमुख महंत नरेश पूरी जी ने दीप प्रज्वलन कर उदघाटन किया | दो दिवसीय आध्यात्मिक सत्र मे कवि कुमार विश्वास मे राम कथा का व्याख्यान किया |

आचार्य लोकेश ने राजस्थान के राज्यपाल माननीय श्री कालराज मिश्र एवं महाराष्ट्र के राज्यपाल माननीय श्री रमेश बैस से आध्यात्मिक एवं सामाजिक विषयों पर चर्चा की| हनुमान जन्मोत्सव पर शुभकामनायें प्रेषित करते हुये आचार्य लोकेश ने कहा कि श्री हनुमान के जीवन से प्रेरणा मिलती है कि कार्य सिद्धि के लिए मार्ग मे आई हर बाधा का सामना करते हुये लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर रहना चाहिए| उन्होने आह्वान किया कि महासती अंजना सुत हनुमान जी की जन्म जयंती पर देश को यशस्वी बनाने के लिए पुरुषार्थ व पराक्रम का संकल्प लें। इस अवसर पर धाम के प्रमुख महंत डा. नरेश पूरी ने सभी का स्वागत किया |

सधन्यवाद

केनु अग्रवाल

मीडिया मैनेजर, अहिंसा विश्व भारती

मो: +91-9205031332

चुनावी जंग में उतरी चार महिलाएं, दो जीती

प्रचण्ड समय . शिमला

मंडी लोकसभा चुनाव में 1951 से 2021 तक हालांकि चार महिलाओं ने राजनीतिक किसमत अजमाने के लिए चुनावी जंग में उतरीं, लेकिन दो महिलाएं तो चुनावी रण में उतरकर चुनाव जीत गईं, परंतु दो महिला प्रत्याशी टक्कर तक भी नहीं पहुंच पाईं। 1951 में पहला चुनाव हुआ था। इसमें अमृत कौर प्रत्याशी उतरीं थीं और जीत गई थीं। फिर 1962 में अंबिका कुमारी उतरीं और हारीं।

वहीं, 1998 में प्रतिभा सिंह चुनावी दंगल में उतरीं थी, लेकिन चुनाव हार गईं। 2004 प्रतिभा सिंह ने चुनाव जीता। 2013 का उपचुनाव प्रतिभा सिंह ने जीता। 2014 के चुनाव में प्रतिभा सिंह हारीं। 2021 के उपचुनाव में प्रतिभा सिंह ने जीत दर्ज कीं। इस चुनाव में अंबिका श्याम भी हार गईं। सांसद प्रतिभा सिंह ने पुरुष प्रत्याशियों को तीन बार पछाड़ा और चुनावी दंगल जीतने में कामयाबी हासिल की।

2004 के मंडी क्षेत्र के लोस चुनाव में पांच प्रत्याशी चुनावी रण में कूदे थे।

यहां पर प्रतिभा सिंह ने चार पुरुष प्रत्याशियों को हरा डाला था। पूर्व सांसद महेश्वर सिंह भी इस चुनाव में प्रतिभा सिंह से हार गए थे। यहां पर प्रतिभा सिंह के साथ महेश्वर सिंह, मोहन लाल साहनी, शाह मोहम्मद और कश्मीर सिंह गुलेरिया चुनावी जंग में उतरे थे, लेकिन सब महिला प्रत्याशी से हार गए। वहीं, 2013 के लोकसभा उपचुनाव में प्रतिभा सिंह के साथ तीन पुरुष चुनावी दंगल में उतरे थे, लेकिन तीनों हार गए। यहां पर जयराम ठाकुर, सुभाष मोहन स्नेही और लवन ठाकुर चुनावी रण में उतरे थे, तीनों हार गए। 2021 के उपचुनाव में प्रतिभा सिंह फिर चुनावी दंगल में उतरीं और जीत गईं। (एचडीएम)

क्षेत्र से पांचवीं महिला प्रत्याशी हैं कंगना रणौत

2024 में अब महिला प्रत्याशी कंगना रणौत चुनावी दंगल में हैं। यह मंडी संसदीय क्षेत्र के लोकसभा चुनाव के इतिहास में पांचवीं महिला प्रत्याशी हैं।

पहला ही चुनाव महिला के नाम

मंडी संसदीय क्षेत्र के लोकसभा चुनाव की बात करें, तो महिला प्रत्याशी अमृत कौर ने 1951 में पहला चुनाव जीता था। इनके साथ छह अन्य पुरुष प्रत्याशी चुनाव टक्कर में उतरे थे, लेकिन सब अमृत कौर से पराजित हुए थे।

2014-1998 में हारीं प्रतिभा

2014 में कांग्रेस प्रत्याशी प्रतिभा सिंह भाजपा के प्रत्याशी रामस्वरूप शर्मा ने हारी थीं। साथ ही 1998 में प्रतिभा सिंह भाजपा प्रत्याशी महेश्वर सिंह से भी हारी थीं।

अंबिका कुमारी नहीं जीत पाईं

अमृत कौर के बाद हालांकि 1962 के चुनाव अंबिका कुमारी ने भी राजनीतिक किस्मत अजमाने के लिए मंडी संसदीय क्षेत्र के लोकसभा चुनाव के दंगल कूदने का प्रयास किया था, लेकिन जीत नहीं पाईं। इस चुनाव में अंबिका कुमारी ने 20600 मत लिए थे, कांग्रेस प्रत्याशी ने 45850 मत लिए थे।

बिकाऊ विधायक धनबल से नहीं जीत सकते उपचुनाव : कांग्रेस

प्रचण्ड समय . हमीरपुर

तकनीकी शिक्षा मंत्री एवं बड़सर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के प्रभारी राजेश धर्माणी ने कहा है कि बिकाऊ विधायक धनबल से उपचुनाव में जीत दर्ज नहीं कर पाएंगे। जनबल के आगे धनबल नहीं चलेगा। खनन माफिया पर शिकंजा कसने से बिकाऊ विधायक तिलमिला गए थे। उनके तार भी माफिया से जुड़े थे, धीरे-धीरे सारी पोल खुल रही है। इन्होंने भाजपा के साथ डील करने के बाद ही

सरकार को गिराने की साजिश रची। बिकाऊ विधायकों के क्षेत्रों में विकास कार्य जोरशोर से चल रहे हैं। धर्माणी ने कहा कि सुजानपुर, बड़सर, कुटलैहड़, गगरेट, धर्मशाला और लाहौल स्पीति विधानसभा क्षेत्रों में 300 से 400 करोड़ के कार्य हुए हैं। सुजानपुर के पूर्व विधायक राजेंद्र राणा तो विकास कार्यों के लिए कभी मुख्यमंत्री के पास गए ही नहीं, उनका अहंकार आड़े आ जाता था। सुजानपुर का विकास कांग्रेस की देन है, भाजपा ने वहां कुछ नहीं किया है। कुछ महीने पहले तक भाजपा को कोसने वाले राणा अब उसकी गोद में बैठकर झूठा गुणगान करने में लगे हैं। लेकिन, जनता उनकी चाल, चेहरा व चरित्र पहचान चुकी है। बड़सर, गगरेट, धर्मशाला में तो पूर्व विधायकों ने जो मांगा वह मिला, बावजूद इसके उनकी धन आत्मा, अंतरात्मा पर भारी पड़ गई। कुटलैहड़ के विधायक तो तबादलों और टेंडर लेने में ही उलझे रहे।

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि लाहौल स्पीति के पूर्व विधायक रवि ठाकुर को जनता कभी माफ नहीं करेगी। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पहली बार हिमाचल दिवस स्पीति के काजा में मनाया। रवि की सारी मांगें पूरी कीं। महिलाओं को इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि के 1500 रुपये प्रति माह देने की शुरूआत भी मुख्यमंत्री ने लाहौल के केलांग से की। महिलाओं के खाते में पहली किस्त आ चुकी है। लाहौल स्पीति में रवि को लोगों का सामना करना मुश्किल हो रहा है। गगरेट में पूर्व विधायक चैतन्य के नाम से लोगों से टैक्स लिया जा रहा था।

धर्माणी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर अपनी सरकार का समय भूल गए हैं। उनके समय प्रदेश में अराजकता का माहौल रहा। कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं थी। वर्तमान सरकार में अपराधियों के लिए प्रदेश में कोई जगह नहीं है। कानून अपने हाथ में लेने वालों को तुरंत सलाखों के पीछे भेजा जा रहा है। अपराधी अब पुलिस गिरफ्त से दूर नहीं जा सकते। कुर्सी छिनते ही जयराम ठाकुर को झूठ बोलने की आदत पड़ गई है। उनके किसी भी बयान में सत्यता नहीं होती, वह मनगढ़ंत बातें करते हैं।

आई आई टी मंडी, एनएसडीसी और मसाई स्कूल ने संयुक्त एआई और एमएल कार्यक्रम शुरू करने के लिए साझेदारी की

प्रचण्ड समय . मंडी

आई आई टी मंडी, एनएसडीसी और मसाई स्कूल एक अभूतपूर्व सहयोग की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं, जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में संयुक्त रूप से प्रमाणित क्रेडिट-लिंक्ड माइक्रो-स्पेशलाइजेशन शुरू करना है।यह रणनीतिक सहयोग प्रौद्योगिकी उद्योग में आगे बढ़ने के इच्छुक महत्वाकांक्षी पेशेवरों के लिए एक अभिनव शैक्षिक अवसर प्रदान करने के लिए तीन प्रतिष्ठित संस्थानों के ज्ञान और दक्षता को एकजुट करता है।पाठ्यक्रम में मॉड्यूल की एक श्रृंखला शामिल है, जिसमें डेटा साइंस के लिए गणित, डेटा इंजीनियरिंग के लिए प्रोग्रामिंग, मशीन लर्निंग के बुनियादी सिद्धांत, डीप लर्निंग और न्यूरल नेटवर्क और एआई और एमएल में विशेष विषय शामिल हैं। कार्यक्रम कैपस्टोन प्रोजेक्ट्स के साथ समाप्त होता है, जो अर्जित कौशल और ज्ञान को व्यावहारिक तरीके से लागू करने का अवसर प्रदान करता है।इस एआई/एमएल पाठ्यक्रम को सबसे व्यापक में से एक माना जाता है, जो बीजगणित, कैलकुलस, संभाव्यता और पायथन बुनियादी सिद्धांतों में मूलभूत पाठ्यक्रमों को कवर करता है, जो अनिवार्य रूप से एआई/एमएल में एक छोटी डिग्री के समकक्ष प्रदान करता है।

आईआईटी मंडी के निदेशक प्रोफेसर लक्ष्मीधर बेहरा ने साझेदारी पर संतोष व्यक्त किया और इसके महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह सहयोग औपचारिक साझेदारी की स्थापना के माध्यम से ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को विविध प्रकार के सीखने के अनुभव और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करना है। यह कार्यक्रम छात्रों को आईआईटी से एनसीवीईटी-अनुमोदित क्रेडिट प्राप्त करने में सक्षम बनाता है, जो उनके बायोडाटा में एक प्रतिष्ठित आईआईटी समर्थन जोड़ता है और उनके करियर की संभावनाओं को बढ़ाता है। एनएसडीसी के सीईओ और एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी श्री वेद मणि तिवारी ने सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला, इस बात पर जोर दिया कि उनका दृष्टिकोण लगातार समृद्ध अर्थव्यवस्था के लिए व्यक्तियों को आवश्यक कौशल प्रदान करने के कार्य को संबोधित करने पर केंद्रित रहा है। इस गठबंधन का उद्देश्य प्रौद्योगिकी के प्रति उत्साही लोगों को विशाल मात्रा में ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करके उनकी सहायता करना है जो प्रौद्योगिकी के युग में सफलता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। पाठ्यक्रम के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, आईआईटी मंडी के सतत शिक्षा केंद्र के प्रमुख डॉ. तुषार जैन ने कहा,"यह नया कार्यक्रम आईआईटी मंडी और सीसीई के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि हम लोगों को उनके कौशल में सुधार करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नरेश चौहान ने जयराम ठाकुर से किए चार सवाल, मांगा जवाब

प्रचण्ड समय . शिमला

कांग्रेस पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश चौहान ने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के चुनावी सीजन में बदलते स्वर पर सवाल उठाते हुए चार सवाल पूंछे हैं। चौहान ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जनता के बीच जाकर अनाप शनाप बयानबाजी कर रहे हैं। उनको हर मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

नरेश चौहान में जयराम ठाकुर से सवाल करते हुए पूछा है कि वह जनता को स्पष्ट रुप से बताएं कि भाजपा ओल्ड पेंशन स्कीम के विरोध में है या पक्ष में। यह भी बताएं कि कांग्रेस सरकार के द्वारा ओपीएस देने के निर्णय से प्रदेश के कर्मचारियों को ओपीएस का लाभ मिल रहा है

कि नहीं। जब जयराम ठाकुर सत्ता में थे, तब ओपीएस की मांग कर रहे कर्मचारियों पर लाठीचार्ज करवाया था और मिलने का समय नहीं दिया था। उस समय सदन में कहा था कि ओपीएस चाहिए तो नौकरी छोड़कर चुनाव लड़ लें, पेंशन मिल जाएगी। अब जब कांग्रेस पार्टी ने कर्मचारियों को ओपीएस देने का निर्णय लिया, तब चुनावों के समय जयराम झूठी बयानबाजी कर रहे हैं कि भाजपा सरकार बनने पर ओपीएस बंद नहीं होगी।

जयराम यह भी बताएं कि यह निर्णय भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व का है या फिर पूर्व मुख्यमंत्री अपने स्तर पर चुनावी जुमला मार रहे हैं।

नरेश चौहान ने पूर्व मुख्यमंत्री से दूसरा सवाल करते हुए कहा कि जयराम ठाकुर जनता को बताएं कि वह महिला विरोधी हैं। वह अपनी टीम के साथ महिला सम्मान निधी को रोकवाने के लिए चुनाव आयोग क्यों गए थे। क्या वह इस बात के पक्ष में नहीं हैं कि प्रदेश की महिलाओं को महीने में 1500 रुपए और साल में 18000 रुपए मिलें। महिला सम्मान निधी योजना कांग्रेस सरकार ने अपने घोषणा पत्र की गारंटी को पूरा करते हुए लागू की है और प्रदेश के लाहौल स्फीति जिले की महिलाओं को सम्मान निधी मिलने लगी है। इसके साथ ही सरकार ने पूरे प्रदेश में इसे लागू करने का निर्णय लिया है। जिसमें प्रदेश की 5 लाख महिलाओं को 18 हजार रुपए हर साल मिलेंगे। महिला विरोधी जयराम ठाकुर इस योजना को रुकवाने के लिए चुनाव आयोग गए। अब जवाब दें कि वह महिला विरोधी हैं कि नहीं।

कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष ने पूर्व मुख्यमंत्री से तीसरा सवाल किया कि वह जनता को बताएं कि प्रदेश में आई भारी आपदा के समय जनता को राहत पहुंचाने में कितनी मदद की है। जब कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में आपदा प्रभावितों को मदद के लिए प्रदेश में आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का प्रस्ताव विधानसभा में प्रस्तुत किया, जब जयराम ठाकुर ने समर्थन किया था। वह अपने विधायकों के साथ सदन में रहे लेकिन राष्ट्रीय आपदा घोषित करने के प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया। इसका जवाब जयराम ठाकुर को जनता के सामने देना चाहिए। राष्ट्रीय आपदा घोषित होने से प्रदेश के राष्ट्रीय मापदंडों के अनुसार राहत पैकेज मिलता और प्रदेश के आपदा प्रभावितों की मदद होती। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री ने इसका विरोध किया और केंद्र की भाजपा सरकार से राहत दिलाने में भी नाकाम रहे।

नरेश चौहान ने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर से चौथा सवाल करते हुए जवाब मांगा कि वह बताएं उन्हें लोकतंत्र में भरोसा है कि नहीं। प्रदेश की चुनी हुई कांग्रेस सरकार को धनबल के सहारे चुराने और गिराने का प्रयास कर रहे हैं। जिससे साबित होता है कि भाजपा को लोकतंत्र पर भरोसा नहीं है और धनबल के सहारे अपनी सत्ता की भूख को पूरा करना चाहते हैं।

नरेश चौहान के कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को जनता के बीच इन सवालों का जवाब देना चाहिए और अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

कांग्रेस की 10 गारंटीयां झूठ का पुलिंदा : कश्यप

प्रचण्ड समय . सोलन

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप का नहान विधानसभा क्षेत्र का दूसरा दौर रहा जिसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल उनके साथ विशेष रूप में उपस्थित रहें।

सुरेश कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तय किए देश में भाजपा 400 पार के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हम हिमाचल प्रदेश की जनता से सहयोग मांगते हैं और भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील करते हैं।

उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रदेश सरकार जो की सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में चल रही है आज प्रदेश में दुख फैलाने वाली सरकार बन बैठी है। जब से कांग्रेस पार्टी सत्ता में आई हैं केवल मात्र जनता के ऊपर महंगाई का बोझ डालने का कार्य कर रही है, पहले डीजल को 7 रु बढ़ाया और डिपो में दालें भी बढ़ा दी अब हिमाचल

प्रदेश की जनता महंगाई से बच के जाए तो जाए कहां।

कांग्रेस पार्टी की विधान सभा चुनावों में 10 गारंटीयां झूठ का पुलिंदा साबित हो रही है 300 यूनिट फ्री बिजली तो एक सपना ही रहेगी है, यहां तक की जो बिजली पूर्व की भाजपा सरकार ने मुफ्त में प्रदान करने का प्रयास किया था उसमें भी गोलमाल हो रहा है और जनता को बिजली के बिल प्राप्त हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार केवल खजाना खाली होने का रोना रो रही है, पर अपने मित्रों को मुख्य संसदीय सचिव, एडवाइजर, ओएसडी कैबिनेट रैंक सहित और चेयरमैन बनाने से पीछे नहीं हट रहे है।

इस व्यवस्था के ऊपर करोड़ों का खर्च किया जा रहा है जो की फजूल खर्ची है। ऐसा प्रतीत होता है कि खजाना खाली का रोना केवल मात्र एक ढोंग है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य 2047 में भारत को विकसित भारत बनाने का है और इसका प्रत्यक्ष भारत की प्रगति से साफ दिखता है। महिला सशक्तिकरण को लेकर भी प्रधानमंत्री मोदी ने चौतरफा कार्य किया है, जिसमें महिलाओं के लिए 33% आरक्षण बहुत बड़ा निर्णय है। जो कार्य कांग्रेस अपने 55 साल के कार्यकाल में नहीं कर पाई वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 10 साल के कार्यकाल में करके दिखाया।

कब छिन जाता है वोटिंग का अधिकार, किन हालातों में निरस्त हो जाता है आपका मत? जानें जवाब

भारत में लोकतंत्र का त्योहार यानी चुनावी प्रक्रिया जोर-शोर से चल रही है। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण की वोटिंग में लोगों की अच्छी खासी भागीदारी रही है। अब अगले चरण की वोटिंग 26 अप्रैल को होगी। भारत का संविधान सभी 18 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों को वोट डालने का अधिकार देता है। हालांकि, विशेष स्थिति में किसी भारतीय नागरिक से यह अधिकार छीना जा सकता है।

भारत के चुनावों में वोट देने का अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को है। जो लोग विदेश में रहते हैं और उन्होंने भारतीय नागरिकता नहीं छोड़ी है, वो भी चुनावों में वोट डालकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि, इस अधिकार को पाने के लिए भी एक तय प्रोसेस को फॉलो करना होता है।

18 साल से बड़े हैं पर मतदाता सूची में नाम नहीं है, तो क्या वोट कर सकते हैं?

चुनावों में 18 साल या उससे बढ़े भारतीय नागरिकों को वोट करने का अधिकार है। लेकिन यह भी जरूरी है कि मतदाता का नाम वोटर लिस्ट में शामिल हो। अगर कोई भारतीय नागरिक 18 साल से बढा है लेकिन उनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो वो मतदान नहीं कर सकता है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म 6 भरना होगा। अगर आप पहली बार वोट करने के लिए रजिस्टर कर रहे हैं तो फॉर्म 6 भरकर अपने निर्वाचन क्षेत्र के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर को जमा करना होगा।

एक से ज्यादा बार वोट किया तो...

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 62(3) के मुताबिक, कोई भी व्यक्ति एक ही वर्ग के एक निर्वाचन-क्षेत्र से एक से ज्यादा वोट नहीं देगा। उदाहरण के लिए कोई व्यक्ति लोकसभा चुनावों में केवल एक निर्वाचन क्षेत्र से ही वोट कर सकता है। अगर कोई व्यक्ति एक से ज्यादा निर्वाचन क्षेत्र में वोट करता है, तो उसके द्वारा किए गए सभी वोट खारिज हो जाएंगे।

कभी-कभार गलती से एक शख्स का नाम एक निर्वाचन क्षेत्र की वोटर लिस्ट में दो बार आ जाता है। ऐसी स्थिति में वोटिंग के अधिकार को लेकर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 62(4) में जिक्र है। इसके मुताबिक, अगर कोई वोटर एक ही निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में एक से ज्यादा बार वोट करता है, तो उस शख्स का एक भी वोट गिना नहीं जाता। भले ही उसका नाम मतदाता सूची में दो बार आ गया हो, लेकिन वो एक चुनाव में एक से ज्यादा बार मतदान नहीं कर सकता।

जेल में बंद कारावास की सजा काट रहे कैदियों के वोटिंग अधिकार?

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 62(5) कहती है कि कोई भी व्यक्ति किसी भी चुनाव में मतदान नहीं करेगा यदि वह कारावास की सजा के तहत जेल में बंद है या पुलिस की कानूनी हिरासत में है।

जो कोई मानसिक रूप से विकलांग हैं और जिन्हें न्यायालय से मानसिक रूप से विकलांग घोषित कर दिया गया है, वो मतदाता सूची में अपना नामांकन नहीं करवा सकते और उन्हें मतदाता पहचान पत्र जारी नहीं किया जाता है। इस तरह ये लोग भी वोट नहीं कर सकते।

इन धारा में अयोग्य साबित होने वाले नहीं कर सकते वोट

रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल एक्ट, 1950 की धारा 62(2) के अनुसार, कोई भी व्यक्ति किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव में मतदान नहीं करेगा यदि वह लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 16 के तहत अयोग्य पाया गया है।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 16 में मतदाता सूची में पंजीकरण कराने की योग्यता के बारे में बताया गया है। इसके तहत कोई भी गैर-भारतीय है या जो मानसिक रूप से विकलांग हैं और जिन्हें न्यायालय ने भी ऐसा घोषित कर दिया है, वो मतदाता सूची में अपना नामांकन नहीं करवा सकते। इसके अलावा ऐसे लोग भी मतदाता सूची में अपना नामांकन नहीं करवा सकते जो फिलहाल चुनाव के संबंध में भ्रष्ट आचरण और अन्य अपराधों से संबंधित किसी भी कानून के प्रावधानों के तहत वोटिंग करने से अयोग्य घोषित किया गया है।

अपहरण, मर्डर और राजनीति... वो बाहुबली सांसद जो लगाता था अपनी अदालत, पढ़ें शहाबुद्दीन के किस्से

उसे सीवान का सुल्तान कहा जाता था, अपराध और राजनीति के संगम से पैदा हुआ था। नाम था मोहम्मद शहाबुद्दीन। आज जब देश भर में लोकतंत्र का महोत्सव मनाया जा रहा है तो भले ही शहाबुद्दीन का नाम दूर-दूर तक कहीं नहीं सुनाई पड़ रहा है पर एक वक्त था, जब सीवान में उसकी तूती बोलती थी। खूंखार डॉन और बाहुबली राजनीतिज्ञ शहाबुद्दीन ने जेल में रहते हुए अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी और फिर मुड़कर नहीं देखा।

तिहाड़ जेल में रहते हुए कोरोना के कारण मई 2021 में दिल्ली में मौत हुई तो उसी शहाबुद्दीन को दफन होने के लिए सीवान की जमीन तक नसीब नहीं हुई। आइए जान लेते हैं शहाबुद्दीन का अपराध से राजनीति तक का सफर।

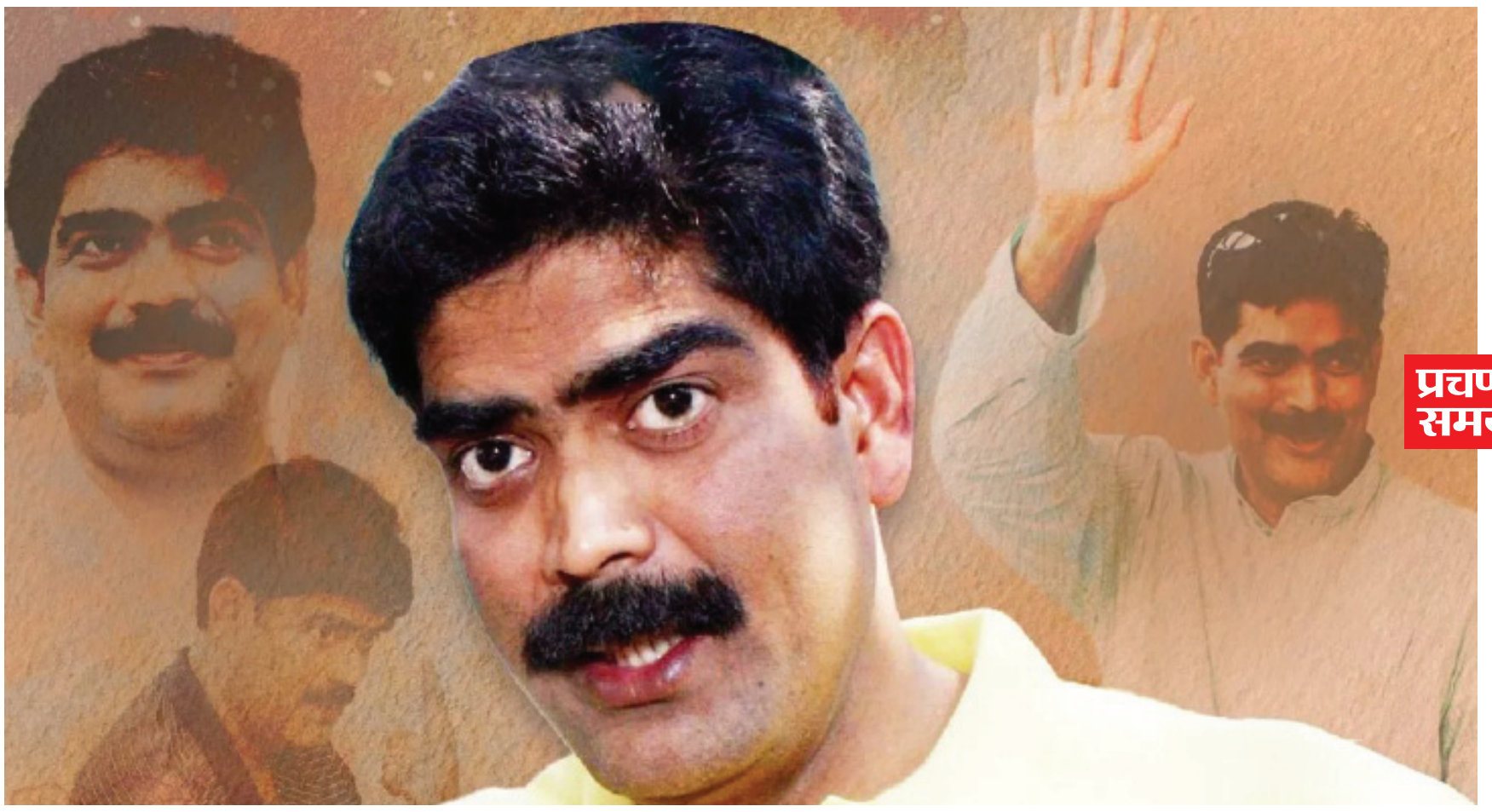

कॉलेज में ही करने लगा राजनीति और अपराध

बिहार में सीवान जिले के प्रतापपुर में 10 मई 1967 को जन्मे मोहम्मद शहाबुद्दीन ने उच्च शिक्षा हासिल की थी। पॉलिटिकल साइंस में एमए और पीएचडी किया पर सीवान के डीएवी कॉलेज के दिनों में ही अपराध की दुनिया में कदम रख दिया। इसके साथ ही राजनीति में भी पैर पसारने की शुरुआत होने लगी थी। समय के साथ अपराध में शहाबुद्दीन का दबदबा बढ़ा और सीवान में हुसैनगंज थाने की पुलिस ने शहाबुद्दीन को ए-कैटेगरी का हिस्ट्रीशाटर घोषित कर दिया।

शहाबुद्दीन के राजनीति में कदम रखने का किस्सा जितना रोचक है, उतना ही आश्चर्यजनक भी। ये वो दौर था जब 25 सितंबर 1990 को सोमनाथ से भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने राम रथ यात्रा निकाली थी। अक्तूबर 1990 में राम रथ बिहार पहुंचा तो लालू प्रसाद ने समस्तीपुर में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करवा दिया था। यह वही साल था, जब शहाबुद्दीन ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा और ध्रुवीकरण के उस दौर में जीत भी हासिल कर ली। शहाबुद्दीन का चुनाव चिह्न शेर था।

बेहद कम उम्र में जेल से लड़ा था पहला चुनाव

आश्चर्य की बात यह कि चुनाव के वक्त शहाबुद्दीन की उम्र बेहद कम थी और वह जेल में बंद था। जेल में ही समर्थकों ने उसे चुनाव लड़ने के लिए कहा तो शहाबुद्दीन ने उसी जीरादेई सीट से पर्चा दाखिल कर दिया, जहां के रहने वाले थे देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद। बीबीसी के साथ बातचीत में इस चुनाव में शहाबुद्दीन का प्रचार करने वाले नन्हे ने बताया था, हमने चुनाव के दौरान सीवान में दंगा कर दिया था। इसके बीच शहाबुद्दीन ने चुनाव लड़ा और 378 वोटों से कांग्रेस के विधायक रिटायर कैप्टन त्रिभुवन सिंह को हरा दिया।

विधायक ने पैरवी करने से कर दिया था मना

शहाबुद्दीन के चुनाव लड़ने की तब एक और वजह बताई जाती थी। साल 1985 में रिटायर कैप्टन डॉ। त्रिभुवन नारायण सिंह जीरादेई से कांग्रेस के टिकट पर विधायक बने थे। तब किसी मामले में शहाबुद्दीन को विधायक से पैरवी करवाने की जरूरत पड़ी तो ईमानदार छवि वाले कैप्टन त्रिभुवन सिंह ने साफ मना कर दिया था।

खुद विधायक से मिलने गए शहाबुद्दीन से उन्होंने कहा कि बदमाशों-अपराधियों की पैरवी नहीं करेंगे। इसके बाद ही किसी मामले में शहाबुद्दीन को जेल जाना पड़ा, जहां उसके साथियों ने राजनीति के मैदान में त्रिभुवन सिंह के खिलाफ उतरने के लिए शहाबुद्दीन को तैयार कर लिया। इस तरह जेल में रहते हुए शहाबुद्दीन ने राजनीति में कदम रखा तो फिर उसका कद बढ़ता ही गया। उसे जमानत भी मिल गई।

कद बढ़ा तो लालू प्रसाद ने अपना बना लिया

फिर तो फिरौती के कई हाई प्रोफाइल मामले, अपहरण और मर्डर से जुड़े मामलों में शहाबुद्दीन नामजद किया गया पर राजनीतिक संरक्षण में वह क्राइम सिंडिकेट चलाता रहा। शहाबुद्दीन का रुतबा बढ़ता देख लालू प्रसाद ने मौका देखा और उसे जनता दल की युवा इकाई में शामिल करा दिया। फिर तो उसकी ताकत और दबंगई और भी परवान चढ़ने लगी। साल 1995 में शहाबुद्दीन ने जनता दल के टिकट पर विधानसभा का चुनाव जीता। साल 1996 में पार्टी ने लोकसभा का टिकट थमा दिया और जेल से विधानसभा पहुंचा शहाबुद्दीन संसद पहुंच गया।

साल 1997 में लालू ने राष्ट्रीय जनता दल बनाया तो शहाबुद्दीन को पार्टी में भी जगह मिल गई। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल की सरकार बनी तो शहाबुद्दीन की ताकत सत्ता के साथ मिल कर कई गुना हो गई। फिर तो सीवान की हर गली में शहाबुद्दीन के कटआउट लगाए जाने लगे। उसने जिले में अपनी समानांतर सत्ता स्थापित कर ली। वह अदालत लगाकर लोगों के लिए फैसले करने लगा। भूमि विवाद का निपटारा हो या जिले में डॉक्टरों की फीस, शहाबुद्दीन ही तय करता था।

आरजेडी सरकार के खिलाफ रिपोर्ट

पीपल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज ने साल 2001 में एक सरकारी रिपोर्ट जारी की। इसमें साफ कहा कि राष्ट्रीय जनता दल की सरकार खुलेआम शहाबुद्दीन को संरक्षण दे रही है। पुलिस उसकी आपराधिक गतिविधियों के सामने तमाशबीन बनी रहती है। उसके डर से न तो एफआईआर होती है और न ही कोई कार्रवाई की जाती है।

शहाबुद्दीन का इतना आतंक व्याप्त था कि सीवान में कोई भी व्यक्ति उन मामलों में गवाही नहीं देता, जिनमें शहाबुद्दीन को अभियुक्त बनाया गया हो। हद तो तब हो गई, जब शहाबुद्दीन पर सत्ता का इतना नशा चढ़ गया कि उसने अधिकारियों के साथ भी मनमानी शुरू कर दी। कई अधिकारियों से उसने मारपीट की।

पुलिस वालों को पीटा, दोबारा पहुंचे तो कर दिया था हमला

राष्ट्रीय जनता दल के स्थानीय अध्यक्ष मनोज कुमार पप्पू के खिलाफ मार्च 2001 में पुलिस एक वारंट लेकर पहुंची थी। तब शहाबुद्दीन ने पप्पू को पकड़ने पहुंचे अधिकारी संजीव कुमार को थप्पड़ मारा और दूसरे पुलिसवालों की भी पिटाई कर दी थी। इससे सकते में आए पुलिस महकमे ने मनोज और शहाबुद्दीन को पकड़ने के लिए शहाबुद्दीन के घर पर छापेमारी की थी, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस ने भी मदद की थी। उस दौरान शहाबुद्दीन और पुलिस के बीच जंग के हालात बन गए। दो पुलिस वालों समेत 10 लोगों की मौत हुई और पुलिस की गाड़ियां फूंक दी गईं। पुलिस को मौके से तीन एके-47 राइफलें मिलीं, शहाबुद्दीन और उसके साथी भाग निकले थे।

कोर्ट के आदेश पर अस्पताल से जेल गया फिर भी जीत लिया था चुनाव

सीपीआई (माले) के एक कार्यकर्ता के अपहरण और हत्या के मामले में 2004 के लोकसभा चुनाव से आठ महीने पहले शहाबुद्दीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। सत्ता और दबंगई का ऐसा साथ मिला कि चुनाव आते ही उसको अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया, जहां वह लोगों से मिलता और चुनाव की तैयारी करता। अधिकारियों और नेताओं को फोन पर निर्देश देता।

इन हालात में पटना हाईकोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा और सरकार को निर्देश दिया कि शहाबुद्दीन को वापस जेल भेजे। ऐसा हुआ भी फिर भी 2004 के चुनाव में शहाबुद्दीन पर 500 से ज्यादा बूथ लुटवाने के आरोप लगे। इसके बावजूद वह सीवान से लोकसभा सांसद बन गया।

पाकिस्तान में बने हथियार और सेना के उपकरण तक घर से मिले थे

हालांकि, इसके साथ ही शहाबुद्दीन के दिन लदने लगे। राजनीतिक रंजिश बढ़ी तो पुलिस भी ताबड़तोड़ मुकदमे दर्ज करने लगी। बिहार पुलिस की स्पेशल टीम ने नवंबर 2005 में दिल्ली में शहाबुद्दीन को फिर गिरफ्तार कर लिया, क्योंकि इससे पहले सीवान में शहाबुद्दीन के पैतृक घर पर छापे में अवैध आधुनिक हथियार ही नहीं, सेना के नाइट विजन डिवाइस और पाकिस्तानी फैक्टरियों में बने हथियार मिले थे। इसके बाद कोर्ट में शहाबुद्दीन के खिलाफ कई मामले शुरू हो गए और उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

साल 2009 में कोर्ट ने शहाबुद्दीन के चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी तो उसने अपनी पत्नी हिना शहाब को पर्चा भरवा दिया। हालांकि वह चुनाव हार गईं। चार बार के सांसद और दो बार विधायक रहे शहाबुद्दीन ने दिल्ली के तिहाड़ जेल में कई मामलों की सजा काटते-काटते कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। बेटे ओसामा शहाब ने पिता का शव सीवान ले जाना चाहा पर संक्रमण के कारण ऐसा संभव नहीं था। कोविड प्रोटोकोल की वजह से सीवान के सुल्तान को दिल्ली में दो गज जमीन नसीब हुई।

‘मेरे बॉडी पार्ट्स पर जूम करते हैं कैमरा’, नोरा फतेही का पैपराजी पर फूटा गुस्सा

मुंबई. मॉडल, डांसर और एक्ट्रेस नोरा फतेही ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। नोरा फतेही सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन उनकी फोटोज और वीडियोज वायरल होती रहती हैं। वहीं, नोरा फतेही पैपराजी के बीच काफी पॉपुलर हैं और उन्हें देखते ही कैमरे एक्टिव हो जाते हैं। हालांकि, इसी बीच नोरा फतेही ने पैपराजी को लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया है। दरअसल, नोरा फतेही ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा है कि पैपराजी का उनके प्रति रवैया सही नहीं है। आइए जानते हैं कि नोरा फतेही ने पैपराजी को लेकर गुस्सा क्यों जाहिर किया है औ क्या कहा है।

नोरा फतेही ने कहा- फालतू में कैमरा जूम करते हैं पैपराजी

पॉपुलर सेलिब्रिटी नोरा फतेही ने कहा कि पैपराजी उनके बॉडी पार्ट्स पर कैमरा जूम करते हैं। नोरा फतेही ने ‘न्यूज 18 शोशा’ के साथ बातचीत करते हुए कहा, ‘मुझे लगता है पैपराजी ने पहले कभी ऐसा हिप नहीं देखा है। वो सिर्फ मेरे साथ ही ऐसा नहीं करती बल्कि दूसरी एक्ट्रेसेस के साथ भी ऐसा करते हैं। हो सकता है कि वे आपके हिप पर जूम ना करें, क्योंकि ये एक्साइटिंग ना लगता है लेकिन वे फालतू में शरीर के दूसरे पार्ट्स पर कैमरा जूम करते हैं। कभी-कभी मुझे लगता है कि जूम करने के लिए कुछ भी नहीं, तो वो फिर किस पर फोकस कर रहे हैं?’ नोरा फतेही ने आगे कहा, ‘दुर्भाग्य से ये वो चीजें है जो सोशल मीडिया पर ट्रेंड करती हैं। वे सिर्फ सोशल मीडिया एल्गोरिदम गेम खेल रहे हैं। किस्मत से मुझे एक अच्छी बॉडी मिली है और मुझे इस पर गर्व है। मैं इससे शर्मिंदा नहीं हूं।’

नोरा फतेही बोलीं- अपनी बॉडी को लेकर हूं कॉन्फिडेंट

नोरा फतेही ने आगे कहा, ‘पैपराजी की कैमरा जूम करने के पीछे शायद गलत भावना है लेकिन ये डिस्कशन का अलग मुद्दा है। मैं हर किसी को पकड़कर सबक नहीं सिखा सकती लेकिन मैं अभी भी वैसे ही चलती हूं जैसे मैं चलता हूं। मैं अपनी बॉडी को लेकर पूरी तरह से कॉन्फिडेंट हूं।’

वाइफ रकुल प्रीत सिंह को जैकी भगनानी ने भीड़ से किया प्रोटेक्ट, लोग बोले- ‘केयरिंग हसबैंड’

मुंबई. बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर कपल्स में एक जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह अक्सर चर्चा में आ जाते हैं। इन दोनों स्टार्स ने बीती फरवरी में शादी की थी और आए दिन इनके फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। अब जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए हैं और जैसे ही फैंस ने अपने पसंदीदा स्टार्स को देखा तो एक्साइटेड हो गए। जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह के साथ सेल्फी लेने के लिए फैंस उनके पास आ गए और इसके बाद जो हुआ वो चर्चा का विषय बन गया। दोनों स्टार्स का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह का वीडियो हुआ वायरल

स्टार कपल जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में आ देख सकते हैं कि ये कपल एयरपोर्ट पर जैसे ही एंटर हुआ कि लोग उनके साथ सेल्फी लेने के लिए उमड़ पड़े। इस दौरान सेल्फी लेने से रकुल प्रीत सिंह असहज दिखीं तो जैकी भगनानी ने उन्हें लोगों से प्रोटेक्ट किया। जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह का वीडियो सामने आने के बाद फैंस जैकी भगनानी की तारीफ कर रहे हैं और उन्हें केयरिंग हसबैंड बता रहे हैं।

जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह ने फरवरी में की थी शादी

बताते चलें कि साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों में नजर आने वालीं एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और प्रोड्यूसर जैकी भगनानी ने 21 फरवरी को गोवा में शादी की थी। इस कपल की शादी में परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों के अलावा बी-टाउन के सेलिब्रिटीज शामिल हुए थे। जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह ने शादी से पहले एक-दूसरे को लंबे समय तक डेट किया था। रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी के वेडिंग फंक्शन के वीडियोज और फोटोज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुए थे।

फिल्म ‘द साबरमती रिपोर्ट’ की रिलीज डेट आउट, राखी सावंत को करना होगा सरेंडर

मुंबई. विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा स्टारर ‘द साबरमती रिपोर्ट’ काफी चर्चा में बनी हुई है। इस फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। ये फिल्म 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म ‘द साबरमती रिपोर्ट’ पहले 3 मई को रिलीज होने वाली थी।

राखी सावंत को करना होगा सरेंडर

राखी सावंत और उनके एक्स हसबैंड आदिल दुर्रानी एक बार फिर चर्चा में हैं। दरअसल, राखी सावंत पर आदिल दुर्रानी का अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करने का आरोप है। इस मामले में राखी सावंत की मुश्किल बढ़ गई हैं। इस केस में राखी की आग्रिम जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट से भी खारिज हो गई है। इसका मतलब है कि राखी को अब सरेंडर की करना पड़ेगा।

सलमान खान ने की गैलेक्सी छोड़ने की प्लानिंग

सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट पर 14 अप्रैल को बाइकसवार हमलावरों ने तीन राउंड हवाई फायरिंग की थी। इसके बाद से सलमान खान और उनके घर पर सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी गई। इसी बीच खबर आ रही है कि सलमान खान गैलेक्सी अपार्टमेंट छोड़कर पनवेल फार्महाउस में रहने की प्लानिंग कर रहे हैं।

रवि किशन का डीएनए कराने की मांग

अभिनेता और राजनेता रवि किशन इन दिनों चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल, हाल ही में अपर्णा ठाकुर नाम की महिला ने दावा किया था कि उनकी रवि किशन की 28 साल पहले शादी हुई थी और उनकी एक बेटी शिनोवा है।

स्वामी, संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक अश्वनी वर्मा- पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार। साई कुंज, नॉर्थ ओक, संजौली, शिमला, हिमाचल प्रदेश- 171006 से प्रकाशित और डीबी कॉर्प लिमिटेड, जीटी रोड, निकट बस स्टैंड सुभानपुर, हमीरा, जिला कपूरथला, पंजाब- 144802 द्वारा मुद्रित।